RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | बुधवार , 15 अप्रैल 2026 | वर्ष: 04, अंक: 30 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री, आज शपथग्रहण

पहले भाजपा और फिर एनडीए विधायक दल ने उनके नाम पर सहमति दी, बैठक में सर्वसम्मति से उन्हें नेता चुना गया।

पटना/एजेंसी

सम्राट चौधरी को बिहार का नया मुख्यमंत्री चुना गया है। पहले भाजपा और फिर एनडीए विधायक दल ने उनके नाम पर सहमति दी। बैठक में सर्वसम्मति से उन्हें नेता चुना गया। इस फैसले के बाद सत्ता का नेतृत्व पूरी तरह बदल गया। सम्राट अब सरकार गठन का दावा पेश करेंगे। राजनीतिक तौर पर यह बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

राज्यपाल से की मुलाकात, सरकार बनाने का दावा

सम्राट चौधरी जल्द ही राज्यपाल से मुलाकात करेंगे। वे सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश करेंगे। राजभवन में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समर्थन का आंकड़ा एनडीए के पक्ष में मजबूत बताया जा रहा है। सरकार गठन अब औपचारिकता भर रह गई है।

आज 11 बजे शपथ, भाजपा का पहला सीएम

15 अप्रैल को सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा। लोकभवन में नए मुख्यमंत्री का शपथ कार्यक्रम तय है। बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बनने जा रहा है। यह राजनीतिक इतिहास का बड़ा मोड़ माना जा रहा है। कई वरिष्ठ नेता इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। शपथ के साथ नई सरकार कामकाज संभालेगी।

नीतीश का इस्तीफा, सियासी बदलाव की शुरूआत

नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वे सम्राट चौधरी और विजय चौधरी के साथ राजभवन पहुंचे। राज्यपाल को उन्होंने औपचारिक रूप से इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे के बाद उन्होंने नई सरकार को समर्थन देने की बात कही।

सोशल मीडिया पर उन्होंने शुभकामनाएं भी दीं। इससे सत्ता परिवर्तन का रास्ता साफ हो गया।

नीतीश कुमार से सीखी राजनीति, समृद्ध बिहार के विजन को आगे बढाएंगे: सम्राट

सम्राट चौधरी ने अपने बयान में नीतीश कुमार का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने नीतीश जी से राजनीति सीखी है। उनके साथ काम करने का अनुभव साझा किया। समृद्ध बिहार के विजन को आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने विकास की निरंतरता का भरोसा दिलाया। यह बयान राजनीतिक संतुलन का संकेत माना जा रहा है।

दिनभर के घटनाक्रम में ऐसे बदली सत्ता

सुबह से ही पटना में राजनीतिक हलचल तेज रही। जदयू और भाजपा नेताओं की लगातार बैठकें हुईं। कैबिनेट की आखिरी बैठक में धन्यवाद प्रस्ताव पास हुआ। दोपहर में नीतीश ने इस्तीफा देकर बड़ा फैसला लिया। इसके बाद भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट चुने गए। शाम होते-होते बिहार में सत्ता का नया चेहरा तय हो गया। बताया जा रहा है कि इस्तीफे से पहले सम्राट चौधरी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे।

भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को जवाब देना होगा: मोदी

साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को जवाब देना होगा। कड़ी धूप के बावजूद रैली में भारी भीड़ उमड़ी, जिसे भाजपा अपनी जीत का संकेत मान रही है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने शनिवार को पूर्व बर्धमान, मुर्शिदाबाद और दक्षिण दिनाजपुर में भी जनसभाएं की थीं। सभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर टुकड़े-टुकड़े गैंग से संबंध रखने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को नुकसान पहुंचाने और उत्तर-पूर्व भारत को देश से अलग करने की साजिश रची थी और तृणमूल ने उन्हें समर्थन दिया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर देश की सुरक्षा और समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह पद नहीं, बिहार की सेवा का पवित्र अवसर : सम्राट चौधरी

पटना/एजेंसी

बिहार में नई राजनीतिक परिस्थितियों के बीच सम्राट चौधरी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ल पर दी। उन्होंने इस जिम्मेदारी को केवल एक पद नहीं, बल्कि बिहार की सेवा का पवित्र अवसर बताया। सम्राट चौधरी ने इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए लिखा कि उन्हें भाजपा बिहार विधानमंडल दल का नेता चुनकर जो विश्वास जताया गया है, उसके लिए वे हृदय से आभारी हैं। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जवाबदेही भी है। उन्होंने अपने संदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में बिहार को विकास और सुशासन के नए आयामों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन के लिए भी उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित किया। यह दायित्व उनके लिए बिहार की जनता के विश्वास और सपनों को साकार करने का अवसर है।

बिहार में पहली बार भाजपा का सीएम

और आखिरकार भारतीय जनता पार्टी का मिशन सफल रहा। बिहार में भाजपा का पहली बार मुख्यमंत्री बनाने का मिशन पूरा हुआ। यह लक्ष्य आज का नहीं। दशकों पुराना है। आज सम्राट चौधरी के नाम की घोषणा के बाद बिहार भाजपा के भीष्म पितामह कहे जाने वाले दिवंगत कैलाशपति मिश्र और अर्जुन की तरह लक्ष्य का पीछा करने वाले दिवंगत सुशील कुमार मोदी की चर्चा बरबस चल निकली। सम्राट चौधरी के जयकारे की गूंज के बीच बिहार में भाजपा को मजबूत करने वाले सारे नामों को याद किया जाता रहा, लेकिन सबसे ज्यादा याद लोगों ने कैलाशपति मिश्र और सुशील मोदी को किया। भाजपा के संगठन ने अपने विधायकों की संख्या कैसे बढ़ाई, यह भी आज लोग सोच रहे हैं। तो, आइए जानते हैं कैसे-किसकी बदौलत आज यह दिन सामने आया है। बिहार में भी भाजपा ने शुरूआत जनसंघ के जमाने से की, लेकिन आज जब भाजपाई सीएम की बात करें तो रोचक बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने 1980 में अपनी शुरूआत के साथ ही बिहार में अच्छा प्रदर्शन किया था। यह दौर कैलाशपति मिश्र का था। वह भाजपा के गठन से पहले विधायक बन चुके थे।

पेट्रोल 18 और डीजल 35 महंगा हो सकता है: 5 राज्यों में चुनाव के बाद बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली/एजेंसी

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से पेट्रोल 18 और डीजल 35 प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद कंपनियां दाम बढ़ा सकती हैं।

हर दिन 1,600 करोड़ का नुकसान झेल रहीं कंपनियां

कच्चा तेल महंगा होने से कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए का घाटा हो रहा है। पिछले महीने के पीक पर ये तीनों कंपनियां हर दिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही थीं। एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर 1,600 करोड़ रुपए रह गया है। हर 10 डॉलर के उछाल से नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर बढ़ जाता है।

भारत 88% कच्चा तेल आयात करता है

भारत अपनी जरूरत का लगभग 88% कच्चा तेल आयात करता है।

भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसा राजनैतिक दल है जो बाबासाहेब के संविधान को भी मानता है और उनके विचारों को भी – धर्मराज मौर्य

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। भाजपा जिला कार्यालय में डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की जन्म जयन्ती के अवसर पर क्षेत्रीय महामंत्री सन्तोष पटेल,जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने बाबासाहेब के चित्र पर पुष्पार्चन कर स्मरण करते हुए उनके जीवन पर अपने विचार को साझा किया।
क्षेत्रीय महामंत्री सन्तोष पटेल ने बाबासाहेब के जीवन पर संबोधित करते हुए कहा कि बाबासाहेब का दर्शन और जीवन साहस और विश्वास की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने अपनी जाति और गरीब आर्थिक पृष्ठभूमि के कारण बहुत सी कठिनाइयों पर विजय प्राप्त करते हुए ज्ञान प्राप्ति के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। उन्होंने केवल संविधान नहीं लिखा बल्कि उसमें हर उस व्यक्ति की उम्मीद को जगह दी जिसकी आवाज कभी सुनाई नहीं गई। समानता,स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को उन्होंने सिर्फ शब्दों में नहीं बल्कि पूरे देश की आत्मा में बसाने का काम किया ऐसी तमाम बातों को विस्तार पूर्वक बताया इसी क्रम में जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसा राजनैतिक दल है जो बाबासाहेब के संविधान को भी मानती है और उनके विचारों को भी

वास्तविक रूप में आत्मसात करती है। इसलिए आज वक्त है कि हम पिछड़ों और दलितों को एकजुट होकर भाजपा के साथ मिलकर पूज्य डॉ.भीमराव अंबेडकर जी के अधूरे सपनों को पूरा करने में सहयोग करना चाहिए। यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। बाबासाहेब का जीवन गरीबों को,वंचितों को,शोषितों को न्यायपूर्ण व्यवस्था देने के लिए समर्पित रहा। हमारी सरकार आज उसी भावना के साथ हर गरीब,हर वंचित को सच्चा सामाजिक न्याय देने में जुटी है। बाबासाहेब जीवन हमें यह सिखाता है कि हालात कितने भी कठिन क्यों न हों,अगर इरादे मजबूत हों तो इतिहास बदला जा सकता है। जिस समाज में दलित,वंचित और शोषित वर्ग को सदियों तक दबाकर रखा गया,उसी समाज में उन्होंने शिक्षा,संघर्ष और अपने अदम्य साहस के बल पर उन्हें सम्मान और अधिकार दिलाने की राह दिखाई।आज उनकी जयंती पर हम सभी का दायित्व है कि हम उनके विचारों को सिर्फ याद न करें,बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारें और एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें जहां कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित न रहें ऐसी तमाम बातों को विस्तार पूर्वक साझा किया इस मौके पर एससी एसटी अयोग सदस्य जितेन्द्र कुमार गौतम,कोऑपरेटिव चेयरमैन शिवमोहन मौर्य,निवर्तमान विधायक मंझनपुर लाल बहादुर,नगर पालिका अध्यक्ष मंझनपुर बीरेंद्र सरोज फौजी,कविता पासी,जिला महामंत्री जगदीश सरोज,राकेश पाण्डेय,ज्योति केसरवानी सहित सम्मानित जिला पदाधिकारीगण,जनप्रतिनिधिगण,मण डल अध्यक्षगण,मोर्चा जिलाध्यक्षगण,कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक वर्ग के नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के प्रेरणास्रोत हैं- रागिनी

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। संविधान निमार्ता और भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं

जयंती नगर पंचायत दारानगर कड़ाधाम कार्यालय में पूरे उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया।नगर अध्यक्ष रागिनी अरुण केशरवानी ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।उपस्थित लोगों ने एक स्वर में बाबा साहब के बताए शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के नारे को दोहराया। इस दौरान नगर अध्यक्ष रागिनी अरुण केशरवानी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक वर्ग के नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के प्रेरणास्रोत हैं।उन्होंने हमें वह संविधान दिया जो हर नागरिक को समानता का अधिकार देता है। आज हम उनकी 135 वीं जयंती पर यह संकल्प लेते हैं कि उनके द्वारा दिखाए गए न्याय और समानता के मार्ग पर चलकर नगर के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। जयंती के अवसर पर नगर कर्मियों ने नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का विशेष संकल्प लिया।

एएसपी द्वारा थाना संदीपनघाट का किया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह द्वारा थाना संदीपनघाट का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय अभिलेख, मालखाना, शस्त्रागार, हवालात, बैरक, मेस एवं साफ-सफाई की व्यवस्था का गहनता से अवलोकन किया गया।
निरीक्षण के दौरान अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा अपराध नियंत्रण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता बरतने एवं मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु निर्देशित किया गया।
अपर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव एवं अनुशासन व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर बल दिया गया तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से करने हेतु प्रेरित किया गया।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई अंबेडकर जयंती

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान डॉ. भीमराव अंबेडकर इंटर कॉलेज विहामिदपुर में भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रबंधक रमेश चन्द्र सोनकर और प्रधानाचार्य अमन यादव की संयुक्त अगुवाई में किया गया।
समारोह की शुरूआत बाबा साहब और महात्मा बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर की गई।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अभय प्रताप ने किया।जयंती के अवसर पर बाबा साहब के चित्र के समक्ष केक काटकर जन्मदिन की खुशियां

मनाई गई।विद्यालय के बच्चों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंधक रमेश चन्द्र सोनकर ने कहा कि बाबा साहब केवल एक संविधान निमार्ता ही नहीं बल्कि आधुनिक भारत के शिल्पकार और समानता के प्रबल पक्षधर थे। उनके दिखाए गए शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के मार्ग पर चलकर ही समाज का कल्याण संभव है वहीं प्रधानाचार्य अमन यादव ने छात्रों को संबोधित करते हुए बाबा साहब के संघर्षों को याद किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने विषम परिस्थितियों में शिक्षा ग्रहण कर विश्व में अपना लोहा मनवाया। आज के युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर शिक्षा के प्रति समर्पित होना चाहिए क्योंकि शिक्षा ही वह शेरनी का दूध है जो पिएगा वह दहाड़ेगा।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने संविधान के मूल्यों की रक्षा करने और सामाजिक समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया।इस दौरान
प्रदीप साहू, रामलाल सोनकर, मो.शरीफ, रमेश गौतम, मनीष मौर्य, सरफराज अहमद, रामदुलारे गौतम, सविता यादव, राहत अनम, फरहा, शमरा, पूनम, संजना, ज्योति, रुखसाना, भाविका, रश्मि, मुस्कान, अजीत कुमार , अजेंद्र यादव, अभय यादव, धर्मेन्द्र चौधरी, सहित विद्यालय के
छात्र-छात्राएं और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर मिठाई वितरण कर सभी को जयंती की शुभकामनाएं दी गई।

दो लूटेरे गिरफ्तार, कब्जे से लूटी गई बाइक, 2 मोबाइल, तमंचा व कारतूस बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को स्वाट टीम देहात एवं थाना रामघाट पुलिस

द्वारा एक अभियूचना के आधार पर 2 शातिर लूटेरों सागर पुत्र जयपाल सिंह निवासी ग्राम मोढ सदरपुर थाना बहसूमा जनपद मेरठ (हाल निवासी मदरसे वाली गली गंगानगर थाना गंगानगर जनपद मेरठ. सत्यवीर पुत्र आलम सिंह निवासी ग्राम समैना थाना दादौं जनपद अलीगढ को गढे वाले बाबा आक्षम के पास से लूटी गई बाइक, 02 मोबाइल, अवैध असलहा व कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया।

डीएम ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन किया अर्पित

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज उदयन सभागार में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ओम प्रकाश ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे और एक महान विभूति थे। भारतीय संविधान के निर्माण में उनका अद्वितीय योगदान रहा है। वे एक महान समाज परिवर्तनकर्ता थे। उन्होंने कहा कि हम सभी को उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए तथा उनके आदर्शों का अनुकरण करना चाहिए।
कार्यक्रम में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अजेंद्र सिंह एवं एस.पी. वर्मा ने भी डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन दर्शन, सिद्धांतों एवं उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। 6 मार्च को थाना पश्चिम शरीरा पर वादी द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त छोटू पुत्र सुखलाल मेरी नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर भगा ले गया है ।प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना पश्चिम शरीरा में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था ।उपरोक्त क्रम में मंगलवार को थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए सर्विलांस/सीडीआर की मदद से मुखबिर खास की सूचना के

आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त छोटू सागर पुत्र सुखलाल निवासी धवाड़ा थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को धवाड़ा नहर पुलिया के पास से समय करीब 11 बजे गिरफ्तार किया गया ।

महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान ह्यमिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरणह्न के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु

ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया ।
मंगलवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा ybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

कप्तान ने अंबेडकर जयंती शोभायात्रा में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था के लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत अम्बेडकर जयंती के अवसर पर निकाली जा रही शोभायात्राओं की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। एसपी द्वारा क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा ड्यूटी पर तैनात समस्त पुलिस कर्मियों को सतर्क एवं मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए।
साथ ही आयोजकों एवं आमजन से संवाद स्थापित कर शोभायात्रा को शान्तिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने की अपील की गई।
इस अवसर पर एसपी द्वारा समस्त जनपदवासियों को अम्बेडकर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई एवं सभी से आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का आग्रह किया गया।

ट्रांसपोर्ट नगर में अनियमितताओं के खिलाफ भाकियू का धरना पांचवें दिन भी जारी

धरना स्थल पर बाबा साहब अंबेडकर और आर्यभट्ट की जयंती मनाकर सामाजिक न्याय व समानता का लिया संकल्प

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज । ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में सीवर लाइन और सड़क निर्माण कार्यों में अनियमितताओं के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) का अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। धरने के दौरान कार्यों में भ्रष्टाचार, मानकों की अनदेखी और अव्यवस्थित निर्माण को लेकर किसानों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया।
इस दौरान युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह के नेतृत्व में धरना स्थल पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर और महान गणितज्ञ आर्यभट्ट की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, मजदूर, महिलाएं और युवाओं ने भाग लिया तथा सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया।
धरने में शामिल लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है और बिना योजना के काम किया जा रहा है। पहले सड़क

बनाई जाती है और फिर उसे तोड़कर सीवर लाइन डाली जा रही है, जिससे जनता को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ रही है। अधूरे कार्यों और जगह-जगह गहरे गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। साथ ही संबंधित अधिकारियों की लापरवाही और जवाबदेही की कमी भी सामने आ रही है।
भाकियू पदाधिकारियों के अनुसार, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की अनदेखी और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन ने बताया कि 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे धरना स्थल पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें 16 अप्रैल को नगर आयुक्त कार्यालय पर प्रस्तावित बड़े आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।
भारतीय किसान यूनियन ने चेतावनी दी है कि जब तक दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती और निर्माण कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक धरना जारी रहेगा। संगठन ने इसे जनता के अधिकारों, पारदर्शिता और न्याय की लड़ाई बताते हुए आंदोलन को और तेज करने की बात कही।
धरना स्थल पर युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह के नेतृत्व में मंजू पाठक, सुषमा पाल, पूनम, पंकज पासी, एडवोकेट मोहम्मद तारिक, परमेश निषाद, शुभम तिवारी, आशु पासी, दितिन, अमित सहित बड़ी संख्या में किसान, मजदूर और महिलाएं मौजूद रहीं।

एएसपी ने शोभायात्रा के दौरान नियुक्त पुलिस बल का निरीक्षण किया

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा क्षेत्राधिकारी चायल के साथ थाना सराय

अकिल अंतर्गत कस्बा सराय अकिल में आयोजित शोभायात्रा के दौरान नियुक्त पुलिस बल का निरीक्षण किया गया।
निरीक्षण के दौरान एएसपी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए पुलिस कर्मियों को सतर्क एवं मुस्तैद रहकर अपनी ड्यूटी का निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही शोभायात्रा को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान यह भी निर्देशित किया गया कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।
जनपद पुलिस द्वारा समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराया जा रहा है।

भगवान के नाम जपने से होता है प्राणियों का कल्याण : यशोदानन्दन जी महाराज

सबसे तेज प्रयागराज
नवाबगंज। श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा स्थल पर हजारों की संख्या मे भक्तगण उपस्थित हुए और कथा का आनन्द लिया कथाव्यास यशोदानन्दन जी महाराज ने बताया कि युग चाहे जो भी हो प्राणियों का कल्याण भगवान का नाम जपने से ही होगा भगवान के चाहे जिस स्वरूप का स्मरण करें कल्याण सुनिश्चित है मुख्य यजमान के रूप मे मानिकचन्द्र दुबे हैं कथा मे प्रमुख रूप से शिवबाबू दुबे पिंटू दुबे रामसुख दुबे देवराज दुबे कृष्णचन्द्र पाण्डेय पवन शुक्ल सुनील

तिवारी "रूद्र" ऋतुराज पाण्डेय ऋषिकेश पाण्डेय अंशू पाण्डेय सहित हजारों भक्त उपस्थित रहे ।

डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के विचार सामाजिक न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित थे – गौरव पाण्डेय

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । मंझनपुर स्थित पार्टी पर कांग्रेसियों जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में ने डाड्ट भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई सर्वप्रथम उनकी छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उनके महान कार्यों का स्मरण किया गया इसके बाद नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी की अगुवाई में गाजे बाजे के साथ कांग्रेस मुख्यालय से समदा चौराहे तक यात्रा निकाल कर प्रसाद वितरण किया गया । इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के शैक्षिक विचार सामाजिक न्याय, समानता और सशक्तिकरण पर आधारित थे। उनका मानना था कि शिक्षा ही दलितों, महिलाओं और वंचित वर्गों की मुक्ति, स्वतंत्रता और विकास का एकमात्र साधन है।
उनका प्रसिद्ध नारा "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" उनके शैक्षिक दर्शन का सार है। वे शिक्षा को सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एक हथियार मानते थे। इसके बाद जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास ने कहा कि बाबा

साहब का मानना था कि वे शिक्षा को अज्ञानता और सामाजिक गुलामी से आजादी की कुंजी मानते थे। उनका मानना था कि शिक्षा के माध्यम से ही आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास जागृत होता है।
कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष श्याम मूर्ति तिवारी,उदय यादव,रामसूरत रैदास,जिला महासचिव आसिफ अल्वी,एडवोकेट अर्श खुर्शीद,संतोष शुक्ला,जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल, मोहम्मद नोमान,हेमन्त रावत,मंझनपुर नगर अध्यक्ष संगीता कोरी, नगर अध्यक्ष अझुवा विजय यादव,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव,ब्लाक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप पटेल,सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,आयुष यादव,विनोद चौधरी, बाबू लाल सिंह,अनिल सेन,रफीक अहमद,छोटे लाल,रमेश यादव, रामदास राही, बिफई लाल,इंद्रपाल रैदास, कामता प्रसाद प्रजापति,मोहम्मद नईम हाशमी,लालती देवी,सीता देवी,तेजा देवी, देवरती देवी,पिंकी देवी,प्रेमा देवी,मीना देवी,अमृत लाल गौतम,जीतू मिश्रा रामप्रकाश कुशवाहा,राहुल यादव,कमल सिंह,अशर्फी लाल, धर्म वीर सिंह सहित तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लेंटर डालते समय भरभराकर गिरी निमार्णाधीन छत, मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत, एक घायल

सबसे तेज प्रयागराज
लालगोपालगंज प्रयागराज । नवाबगंज थाना क्षेत्र के लालगोपालगंज में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया मकान का लेंटर डालते समय निमार्णाधीन छत अचानक भरभराकर गिर गई इस हादसे में काम कर रहे दो मजदूर मलबे के नीचे दब गए जिसमे एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ जनपद के अथिगवा थाना क्षेत्र के खनऊ का पूरा निवासी शमशाद अली पुत्र मोकर्रम अली आह्लादगंज मोहल्ले के समीप अपने नव निर्मित मकान मे लेंटर डलवा रहे थे समय करीब 3 बजे लेंटर डालने का काम चल रहा था काम अपने चरम पर था कि तभी अचानक पूरी छत भरभरा कर गिर गई जिसके मलबे मे दो मजदूर दब गए घटना के बाद आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े आनन फानन मे मलबे मे दबे मजदूर को निकालने का प्रयास किया गया घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को हुई तो चौकी प्रभारी मनीष कुमार राय हमरहियों के साथ मौके पर पहुचे जेसीबी मशीन की मदद से मलबे मे दबे मजदूरो को बाहर निकाल कर एम्बुलेंश से सीएचसी कौड़िहार भेजा गया जहा डाक्टरों ने गुलशन पाल पुत्र हीरापाल निवासी रंभा का पूरा थाना हथिगवा को म्रत घोसित कर दिया जब की मुकेश पाल पुत्र पोती पाल निवासी भीमी हथिगवा गंभीर रूप से घायल को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया । घटना की गंभीरता को देखते हुए एसओ नवाबगंज राघवेन्द्र सिंह ,एसीपी सोराव स्यामजीत सिंह डीसीपी गंगा नगर कुलदीपी सिंह गुनावत , नायाब तहसीलदार धीरज पटेल भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और भवन निर्माण में बरती गई लापरवाही के पहलुओं पर जानकारी जुटाई पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है हादसा के जिम्मेदारों पर कठोर कार्यवाही किया जाएगा ।

मकान स्वामी को पुलिस ने हिरासत मे लिया

लालगोपालगंज प्रयागराज । सोमवार को हुए दर्दनाक लेंटर हादसे के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। हादसे के बाद मौके से मकान स्वामी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। जबकि ठेकेदार मौके से फरार हो गया प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र के लापरवाह निर्माण कार्यों से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है।

नगर पंचायत के नोटिस को ठेंगा दिखा कर पड़ रहा था अवैध लेंटर

नवाबगंज के लालगोपालगंज में हुए लेंटर हादसे में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

जिस भवन की छत गिरने से एक मजदूर की जान गई उसे नगर पंचायत द्वारा पहले ही अवैध निर्माण का नोटिस जारी किया गया था इसके बावजूद प्रशासन की चेतावनी को दरकिनार कर अंबेडकर जयंती के दिन कार्यालय छुट्टी के दिन बिना स्वीकृत मानचित्र के नगर प्रशासन के चोरी चुपके निर्माण कार्य जारी रखा गया, जिसका अंत एक मजदूर की मौत के रूप में हुआ ।

सामाजिक जागरूकता के प्रेरणास्रोत थे बाबा साहेब : मंजू चन्द्रा

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। सफाई कर्मचारी आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा अनुसूचित मोर्चा की सदस्य और इस्पात मंत्रालय भारत सरकार की निदेशक श्रीमती मंजू चन्द्रा ने आज भारत रत्न बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर अशोक नगर स्थित आवास पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब की ही देन है कि आज सामाजिक समानता है। समाज के जो पिछडे और आर्थिक रूप से गरीब और कमजोर थे, उनको सामाजिक और संवैधानिक अधिकार प्रदान किया। सफाई कर्मचारी आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू चन्द्रा ने कहा कि आज समाज में सभी लोग बाबा साहेब को सम्मान देते हुए उनके द्वारा किए गये सामाजिक कार्यो के लिए याद करते है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब सामाजिक जागरूकता के प्रेरणास्रोत थे। इस दौरान अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किया।

बाबा साहेब को पूर्व अपर आयुक्त कृष्ण चन्द्रा,प्रतीक चन्द्रा, राहुल कृष्ण चन्द्रा, सलीम अंसारी, राकेश यादव, आशीष यादव, बबलू केसरवानी, सुरेन्द्र कुमार, राज यादव, घनश्याम, अनिल पाल, अनुज पाण्डेय, रामकैलाश, अंकित सहित अन्य लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

बेकरी कारोबारी की आत्महत्या मामले में दंपती गिरफ्तार, भेजे गये जेल

अश्लील वीडियो वायरल करनेकी धमकी एवं ब्लैकमेल से आहत होकर की थी आत्महत्या, एक अन्य आरोपित की तलाश

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। ब्लैकमेल करने से बेकरी कारोबारी रईश अहमद अंसारी के करीब दस दिन पहले ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या के मामले में नया मोड़ सामने आया है। मृतक की पत्नी ने जेठ, जेठानी और देवर पर व्यवसाय पर कब्जा करने की साजिश के तहत प्राइवेट वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग करने की वजह से आत्महत्या का आरोप लगाया है। खुल्दाबाद पुलिस ने मंगलवार को आरोपी दंपती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उनके पास से वीडियो भी बरामद की गई है। वहीं, तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।

करेलाबाग निवासी रईश अहमद अंसारी ने तीन मार्च को चौफटका के पास ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी थी। मृतक की पत्नी नेदा रईश ने खुल्दाबाद थाने में सोमवार को जेठ नफीस अहमद, जेठानी हुमा नफीस और देवर अनीस अंसारी के खिलाफ बीएनएस की धारा १०८ के तहत नामजद मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया कि परिवार की बेकरी का कारोबार है। ससुर इदरीश अंसारी ने रईश की मेहनत व ईमानदारी को देखते हुए कारोबार की जिम्मेदारी सौंप दी थी। ससुर के निधन के बाद जेठ, जेठानी व देवर कारोबार पर कब्जा जमाने की नीयत से रईश के बेडरूम में गुप्त कैमरा लगाकर पति-पत्नी का वीडियो रिकॉर्ड कर ब्लैकमेलिंग करने लगे। आरोप है कि रुपये की मांग पूरी नहीं होने पर वायरल करने की धमकी दी। इससे तंग आकर रईश अहमद ने आत्महत्या कर ली थी। खुल्दाबाद थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि नामजद आरोपी नफीस अंसारी व हुमा नफीस को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। फरार आरोपी अनीस अंसारी की तलाश जारी है।

बरीबोझ व आदमपुर में मनाई गई आंबेडकर जयंती, जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने किया माल्यार्पण

सबसे तेज प्रयागराज
नवाबगंज। क्षेत्र के बरीबोझ और आदमपुर गांवों में मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी गंगापार की जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने कार्यक्रमों में पहुंचकर बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज के वंचित और शोषित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर समाज में समानता और भाईचारे को मजबूत करना चाहिए।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने भी बाबा साहब के जीवन एवं उनके योगदान को याद किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, श्याम सुंदर दुबे, नीलम गिरी, महेंद्र तिवारी, शिवबाबू मोदनवाल महेश माली सूरज यादव गुड्डू राजा, सहित स्थानीय ग्रामीण, युवाओं एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की अच्छी खासी मौजूदगी रही।

बाबा साहब को नमन कर किया प्रतिमा का किया अनवरण

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। भारत रत्न बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयन्ती के अवसर पर सर्वप्रथम हाईकोर्ट स्थित प्रतिमा पर आज माल्यार्पण किया। उसके बाद सपा जिला कार्यालय जार्जटाउन में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संगोष्ठी आयोजित की गई। उसके उपरान्त विधान सभा करछना के ग्राम सभा पुरवा खास में जनसभा आयोजित हुई। उसके उपरान्त विधान सभा बारा के ग्राम सभा डेरा बारी (डेरवा) में बाबा साहब की प्रतिमा का अनवरण एमएलसी डा मानसिंह यादव, डिपुटी सॉलिस्टर शिवकुमार पाल एवं बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजू पासी ने किया।

बुलंदशहर बना चैंपियन, आगरा को दी शिकस्त

36वीं राज्य महिला बास्केटबॉल चैम्पियनशिप का हुआ समापन

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। 36वीं उत्तर प्रदेश राज्य महिला बास्केटबॉल चैम्पियनशिप - 2026 में बुलंदशहर ने बाजी मार लिया। बुलंदशहर ने चार अंकों से आगरा को पराजित किया। चार दिनों तक चली प्रतियोगिता में प्रदेश के लगभग 15 जिलों की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल प्रेमियों को भरपूर रोमांचित किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश श्रीमती मंजू रानी चौहान थी। उन्होने खिलाडियों को प्रोत्साहित किया। अध्यक्षता विद्यालय के चेयरमैन पूर्व डीआईजी कृपा शंकर सिंह ने किया। फाइनल मुकाबले में बुलंदशहर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 58 - 54 से आगरा की टीम को पराजित करके 4 अंकों से चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया?। तीसरे स्थान के लिए खेले गए हार्ड लाइन मैच में मेरठ ने वाराणसी को 46 - 40 से 6 अंक से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि वाराणसी चौथे स्थान पर रही। भव्य प्रतियोगिता का सफल आयोजन डॉ. वंदना सिंह के नेतृत्व में किया गया।

चार दिनों तक चले खेल महाकुंभ का समापन खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, खेल भावना और अनुशासन के साथ हुआ। प्रतियोगिता ना केवल खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने में सफल रही, बल्कि महिला खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य, भारतीय बास्केटबॉल संघ एवं उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल संघ के उपाध्यक्ष आरएस वेदी, उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल संघ के उपाध्यक्ष वीरेंद्र विक्रम सिंह, बास्केटबॉल संघ प्रयागराज के जिला सचिव शील ओझा, उत?तर प्रदेश क्रीड़ा अधिकारी, गोरखपुर आजाद सिंह, विद्यालय परिवार से निदेशक वीरेंद्र सिंह, सह-निदेशक ऋतिज विक्रम सिंह, प्रधानाचार्या श्रीमती अमिता मिश्रा, संस्थापिका प्रधानाचार्या श्रीमती अलका अग्रवाल एवं डॉ. वंदना सिंह सहित अन्य लोग थे।

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि

परेड, मौन और जागरूकता रैली के जरिए दी गई सम्मानपूर्ण श्रद्धांजलि

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। अग्निशमन तथा आपात सेवा कमिश्नरेट प्रयागराज के सभी फायर स्टेशनों पर ह्लअग्निशमन सेवा स्मृति दिवसह्व श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परेड आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्र मोहन शर्मा के निर्देशन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शहीद अग्निशमन कर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

स्मृति परेड में शामिल सभी अधिकारियों और कर्मियों को पिन फ्लैग लगाया गया। इसके बाद मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने अपने संबोधन में अग्निशमन दल के कार्यों और समर्पण की सराहना करते हुए सभी को भविष्य में निष्ठा और परिश्रम के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अग्निशमन अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर अग्नि सुरक्षा जागरूकता रैली को रवाना किया गया। रैली शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरी और लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

सिविल लाइन, नैनी, मेजा, बारा, कोरांव, सोरांव, हंडिया, फूलपुर सहित मा० हाईकोर्ट इलाहाबाद में तैनात फायर सर्विस यूनिटों द्वारा प्रमुख स्थानों पर पम्पलेट, पोस्टर और हैंडबिल वितरित कर व्यापक अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया।

फूलपुर क्षेत्र में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई

कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों वा गांवो में बड़े ही हर्ष उलाश के साथ उनके चित्रों पर माल्यार्पण किया गया

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर। फूलपुर क्षेत्र के कस्बा वा ग्रामीण इलाकों में संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की 135 वी जयंती पर्व के रूप में डी जे बैण्ड बाजे के साथ जुलूस निकाल कर जगा जगा गोस्टियो का आयोजन कर उनके विचारों पर प्रकाश डाला गया। क्षेत्र के बाबूगंज बजार,फूलपुर कस्बा ,कोडापुर, बलकरनपुर,मैलहन, सांवडीह सर्वांडीह,रैनी , गुलालपुर आदि प्रमुख स्थानों पर बाबा साहब के अनवाइयो ने डी जे बैण्ड बाजे के साथ जुलूस निकाल कर बाबा साहब अमर रहे , जय भीम का नारा लगाते हुए उनके मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया गया। इस दौरान जगा जगा हुई गोस्टियो में वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवनी पर प्रकाश डाला। जिसमे भाजपा ,बसपा ,सपा, अस्पा आदि पार्टियों के प्रमुख कार्यकताओं वा समाजसेवियों ने प्रतिभाग करते हुए बाबा साहब के विचारो का आदान प्रदान किया। इस मौके पर मोती चन्द रावत , कृष्ण चन्द रावत ,सुनील कुमार,अखिलेश रावत , अंशू रावत महेश गौतम , मूलचंद गौतम , राजेन्द्र गौतम ,प्रमोद गौतम , राम प्रसाद गौतम , लवकुश ,विशाल ,सचिन इस दौरान थाना प्रभारी फूलपुर शेषनाथ पाल पुलिस कर्मियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विभिन्न स्थानों पर गस्त करते हुए नजर आए जिससे बाबा साहब की जयंती निर्विवाद वा शांतपूर्ण ढंग से सम्पन्य हो गई।

पुलिस उपायुक्त और सीओ ने भी मनाई अंबेडकर जयंती

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। 'भारत रत्न' डॉङ्क भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत द्वारा थाना नवाबगंज क्षेत्र में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सम्मान प्रकट किया गया। अम्बेडकर जयंती को सकुशल, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव मौजूद रहे।

छिनैती का आरोपी गिरफ्तार, कब्जे से छीना गया मोबाइल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। कैण्ट थाना पुलिस द्वारा धारा 304(2) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त शुभम गौतम उर्फ चुर्री निवासी मुण्डेरा थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज को कैंट क्षेत्र स्थित काली पलटन ढाल के पास से गिरफ्तार किया गया। इस दौरान उसके कब्जे से छिनैती से सम्बन्धित एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 317(2)/317(4) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के खिलाफ धूमनगंज, सिविल लाइंस, कैंट आदि थाने में पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

डायट प्राचार्य ने बाबा साहेब को किया श्रद्धा सुमन अर्पित

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। डायट प्राचार्य राजेन्द्र प्रताप ने भारत रत्न बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर को डायट सभागार में श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक समानता से देश को आगे बढाया जिससे कि आज देश उन्नति की राह पर है। इस दौरान डायट के प्रवक्ता, कर्मचारी और छात्राध्यापकों ने भी बाबा साहेब को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

बाबा साहेब की जयंती पर संघ ने गंगानगर बस्तियों में लगाए स्वास्थ्य शिविर

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गंगानगर प्रयाग उत्तर द्वारा नर सेवा नारायण सेवा के संकल्प के साथ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से आयोजित इन शिविरों के माध्यम से स्थानीय नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क चिकित्सा, परामर्श एवं दवाइयां वितरित की गईं। क्षेत्र की सघन बस्तियों को ध्यान में रखते हुए गंगानगर की तीन प्रमुख बस्तियों पीतांबर नगर बस्ती, आंबेडकर पार्क, मेंहदौरी गांव और मान्यवर कांशीराम बस्ती में चिकित्सकों की अलग अलग टोली ने व्यवस्था संभाली। शिविर में अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने सर्दी, जुकाम, बुखार के साथ-साथ मौसमी बीमारियों की जांच की। बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने भी शिविर का लाभ उठाया। शिविर में उपचार और दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई।

गंगानगर के सेवा प्रमुख शम्भूनाथ ने बताया कि बाबा साहेब के सामाजिक समरसता के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह आयोजन पूर्वी उत्तर क्षेत्र (काशी प्रान्त) की विशेष योजना के अंतर्गत संपन्न हुआ। संघ के कार्यकताओं ने न केवल व्यवस्था संभाली, बल्कि घर-घर जाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया।

इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित संघ के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। चिकित्सकों की टीम में मुख्य रुप से डा पूनम श्रीवास्तव, डा अरविन्द कुन्ताल , डा म्रितुल, डा आयुषी दिवाकर, डा श्रेया गौतम,

डा जेपी मिश्रा, डा शिवानी कश्यप आदि थे। स्वयंसेवकों में प्रमुख रूप से नगर संघ चालक शिव नारायण जी, नगर कार्यवाह अनुराग जी, संजय पासवान, रविशंकर पाण्डेय, नीरज त्रिपाठी, नित्य प्रकाश, संजीव पाण्डेय, बाबा कन्नौजिया, रोशन सिंह, धनंजय कुमार, अभिषेक कुमार, अनिल यादव,रमा शंकर कसेरा ,रतन लाल , अमरेश, नीलेश आदि रहे।

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

संजय गोरवामी

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वार्ताकारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है, आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गई है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्कारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गई है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघटन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद कोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए मजबूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्बारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (self-reflection) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर कोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से कोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे कोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में कोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शाँति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा, हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गई थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं वहीं ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहें हैं युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और खत्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृष्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है और खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ऐ युद्ध इजराइल के लिए खत्म नहीं हुआ है आज भी बेरूत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ऐ सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना और इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ऐ युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को दुरुस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरूशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है। पिछले सात दशकों में, इजराइल के लोगों ने एक ऐसा देश बनाया है जहाँ यहूदी, मुसलमान, ईसाई और सभी धर्मों के लोग अपनी अंतरात्मा और अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने और पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यरूशलम आज भी एक ऐसा स्थान है—और हमेशा ऐसा ही रहना चाहिए—जहाँ यहूदी वेस्टर्न वॉल पर प्रार्थना करते हैं, जहाँ ईसाई स्टेशन्स ऑफ द क्रॉस पर चलते हैं, और जहाँ मुसलमान अल-अक्सा मस्जिद में इबादत करते हैं।जहाँ अमेरिका के रक्षा मंत्री हेगसेथ का कहना है कि यरूशलम का इतिहास क्रूसेड्स—मध्ययुग के उन क्रूर युद्धों—का बचाव करने का रहा है, जिनमें ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। अपनी 2020 की किताब अमेरिकन क्रूसेड में, उन्होंने लिखा कि जो लोग पश्चिमी सभ्यता का आनंद लेते हैं, उन्हें किसी क्रूसेडर का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उनके दो टैटू क्रूसेडर इमेजरी से सम्बंधित है : उनके अनुसार जेरूसलम क्रॉस और ड्यूस वुल्ट या भगवान की इच्छा वाक्यांश, है जिसे हेगसेथ ने जेरूसलम की ओर मार्च करते समय ईसाई शूरवीरों का रैली का नारा कहा है। अमेरिका में ईसाई धर्म के लोग 65 परसेंट है और यही चुनाव में जीत हार को तय करता है पिछले इतिहास को देखेंगे तो मालूम पड़ेगा ऐ असल में एक धर्म युद्ध है जिसमें कई सालों से युद्ध हुआ और खतनाक नतीजे सामने आए हैं। इसलिए भारत का इसमें कोई रोल है ही नहीं भारत में भगवान राम ने शान्ति का संदेश दिया और भारत में सनातन इसलिए गर्व से अपने भगवान राम के लिए मानवता का संदेश दुनिया को पहुंचाता रहा है इसलिए भारत विश्वगुरू है क्योंकि भारत में भगवान राम का आशीर्वाद है और जब भी कोई संकट आएगा तो संकटमोचन रामभक्त भगवान हनुमान उसे बचाने आएंगे इसलिए मीडिया को ऐसी खबर दिखाने से बचना चाहिए जिसमें आतंकवादी को पालने वाला पाकिस्तान का गुणगान हो रहा हो और अपने देश की विदेश कूटनीति पर सवाल हो हमारा देश अंगजो के लाख कोशिश के बाद भी सबसे ज्यादा भगवान राम पर आस्था है यही प्रमाण है कि 1984 में जब रामानंद सागर की रामायण फिल्म आई तो बाहर सन्नाटा दिखाई देता और हर घर में रामायण का सीरियस हरेक घर में चलता था भगवान राम का मार्ग कठिनाई से भरा जरूर है लेकिन एक आदर्श इंसान बनने के लिए प्रेरणादायक है। इसलिए भारत को गर्व करना चाहिए कि भारत की धरती पर भगवान का जन्म राम के रुप में हुआ इसलिए यहाँ की मिट्टी में अपने प्रभु राम के चरणों से हरियाली है और उसी मिट्टी में पंचतत्व का शरीर राम नाम सत्य के नाम से ईश्वर को पाने की लालसा रखता है इसलिए हम किसी दूसरे के झगड़े में क्यों अपना समय बर्बाद करें होशियार आदमी को समझाया जा सकता है लेकिन मुर्ख को नहीं, हमारी सभ्यता और संस्कृति सबसे उत्कृष्ट है जिसे स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में सिद्ध किया अब खबर ऐ आई है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा रहा क्या फिर युद्ध की आग में निर्दोष लोग मारे जायेंगे।

संपादकीय

युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर

अमरीका-ईरान में युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर है। जिंदा है, सांस चल रही है, लेकिन कभी भी दम तोड़ सकता है। यह युद्धविराम के मात्र दो दिन का सारांश है। यदि इन दोनों देशों के बीच शांति-समझौता नहीं हो पाया अथवा युद्धविराम 'ईमानदार' ही नहीं रहा, तो उसके बाद 'महाविनाश का युद्ध' लगभग तय मानना चाहिए, क्योंकि अमरीका के विराट युद्धपोत, लड़ाकू विमान, मिसाइलें, ड्रोन समेत सैनिक मध्य-पूर्व में ही मौजूद हैं। युद्धविराम के कुछ ही घंटों में इजरायल ने लेबनान के कुछ शहरों में, 10 मिनट के अंतराल में ही, करीब 160 बम बरसाए, नतीजतन 303 से अधिक मासूम, बेगुनाह लोग मारे गए और 1500 से अधिक घायल हुए। इनके अलावा, बहुमंजिला इमारतें ध्वस्त कर दी गईं। यह सरकारी डाटा है। लेबनान की सडकों पर हृदयविदारक चीख-पुकार ने मन के भीतर बार-बार सवाल पैदा किए कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू 'सामूहिक नरसंहार' पर आमादा क्यों हैं? क्या वह मनुष्य नहीं हैं? अथवा एक राक्षस ने मनुष्य का मुखौटा पहन रखा है? यदि ऐसे नरसंहारों के प्रभाव में नेतन्याहू चुनाव जीत कर फिर प्रधानमंत्री बन जाते हैं, तो मानवता उस पर थूकती है। वक्त इस हत्यारे का भी आएगा, जब लाश बनने में कुछ पल ही लगेंगे! इजरायल भारत का मित्र-देश है, लेकिन भारत नरसंहारों को कभी भी समर्थन नहीं देता। सवाल यह नहीं है कि युद्धविराम की परिधि में लेबनान है या नहीं है। चिंता और सरोकार यह है कि इस नरसंहार के बाद युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर पहुंच गया है। ईरान तिलमिला उठा है। ईरानी संसद के स्पीकर कालीबाफ का मानना है कि युद्धविराम के 10 सूत्रों में से 3 सूत्रों का घोर उल्लंघन हुआ है, लिहाजा किसी शांति-वार्ता या समझौते का कोई मतलब नहीं रहा है। ईरान का आरोप है कि अमरीका इजरायल के जरिए जंग में है और जंगबंदी का ऐलान किया गया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, खासकर यूरेनियम के संवर्धन और अंततः परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बनने के सबसे अहम मुद्दे पर अमरीका-ईरान के दरमियान विरोधाभास पूर्ववत हैं।

चिंतन-मनन

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्य होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है।
देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है। वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।
यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता है। ब्रह्मांड का महान से महानतम पुरुष भी भक्त के लिए क्षुद्र चींटी से अधिक महत्वपूर्ण नहीं होता।

आशा भोसलेः सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

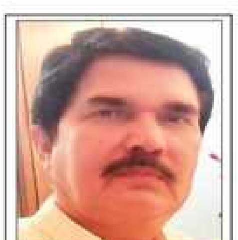
डॉ. हिदायत अहमद खान

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी।
सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ी आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत 'चला चला नव बाल' गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरूआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, गजल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वर्सेटाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी।
अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दर्शाता है।
यहां कहा जा सकता है कि संगीत की दुनियां में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली चुनिंदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं। आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। उनकी यात्रा यह सिखाती है कि प्रतिभा के साथ यदि साहस और निरंतर सीखने की इच्छा हो, तो कोई भी कलाकार सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकता है।

जलियांवाला बागः आजादी की वो कीमत, जिसे हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जो स्याही से नहीं, बल्कि इंसानी लहू से लिखी जाती हैं। 13 अप्रैल 1919 की वह मनहूस शाम भी एक ऐसी ही तारीख थी, जिसने न केवल पंजाब की मिट्टी को लाल किया, बल्कि सोए हुए समूचे हिंदुस्तान की सोई हुई आत्मा को भी झकझोर कर रख दिया। अमृतसर का वह छोटा सा मैदान, जिसे दुनिया आज जलियांवाला बाग के नाम से जानती है, महज ईंट-पत्थरों का बना कोई स्मारक नहीं है। वह गवाह है उस अमानवीय बर्बरता का जिसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, और वह प्रतीक है उस अटूट हौसले का जिसने दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की नींव रख दी थी। बैसाखी का पावन दिन था। पंजाब के गाँवों और शहरों में उत्सव का माहौल होना चाहिए था। लोग नए कपड़े पहनकर मेलों की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अमृतसर की हवाओं में एक अजीब सी बेचैनी घुली हुई थी। पूरा देश रोलेट एक्ट जैसे काले कानून के खिलाफ गुस्से में उबल रहा था, जिसने बिना दलील और बिना वकील के किसी को भी जेल भेजने की ताकत अंग्रेजों को दे दी थी। इसी अन्याय के खिलाफ अपनी शांतिपूर्ण आवाज दर्ज कराने के लिए शाम के वक्त करीब बीस हजार लोग उस बाग में इकट्ठा हुए थे। उस विशाल भीड़ में मासूम बच्चे थे, अपने परिवारों के साथ आई महिलाएँ थीं और वे बुजुर्ग भी थे जो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुस्ताने के लिए वहाँ रुके थे।
किसी को भी इस बात का रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ मिनट उनकी ज़िंदगी के आखिरी पल साबित होने वाले हैं। शाम के करीब सवा पांच बज रहे थे, जब अचानक जनरल रेजिनल्ड डायर अपने नब्बे सशस्त्र सैनिकों के साथ उस बेहद संकरे रास्ते से दाखिल हुआ, जो बाग के अंदर आने और बाहर जाने का एकमात्र मार्ग था। उसने न तो भीड़ को तितर-बितर होने की कोई चेतावनी दी और न ही शांति की कोई अपील की। उसने बस पत्थर दिल होकर एक क्रूर आदेश दिया—फायर! अगले दस मिनट तक जो मंजर वहाँ दिखा, वह मानवता के इतिहास पर सबसे गहरा और बदनुमा कलंक था। सैनिकों की रायफलें तब तक आग उगलती रहीं जब तक कि उनकी आखिरी गोली खत्म नहीं हो गई। बाग की दीवारें सात-आठ फीट ऊँची थीं और एकमात्र निकास द्वार पर मौत का पहरा था। लोग बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए उन दीवारों पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन डायर के सिपाही जानबूझकर उन्हीं को निशाना बना रहे थे। चीख-पुकार, धुएँ और मलबे के बीच, अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में सैकड़ों लोगों ने उस पुराने कुएं में छलांग लगा दी, जिसे आज हम श्रद्धा से शहीदी कुआं कहते हैं। देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। सरकारी रिकॉर्ड्स भले ही मरने वालों की संख्या 379 बताते हों, लेकिन हकीकत यह थी कि उस शाम हजारों घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए थे।
इस जघन्य हत्याकांड ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। यह वह ऐतिहासिक मोड़ था जहाँ से अंग्रेजों की भारत से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हुई। इस घटना के विरोध में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि त्याग दी और महात्मा गांधी का वह विश्वास पूरी तरह टूट गया जो वे कभी अंग्रेजी न्याय प्रणाली में रखते थे। जलियांवाला बाग के इसी खूनी मंजर ने एक 15 साल के किशोर ऊधम सिंह के भीतर प्रतिशोध का ऐसा लावा भरा कि उन्होंने 21 साल तक इस अपमान की आग को अपने सीने में जलाए रखा। अंततः साल 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में जाकर उन्होंने जनरल ओडायर को मौत के घाट उतारा और दुनिया को बताया कि हिंदुस्तान अपने शहीदों का अपमान कभी नहीं भूलता।
यह जलियांवाला बाग ही था जिसने भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के दिलों में आजादी का बीज बोया। कहते हैं कि भगत सिंह इस घटना के बाद कई मील पैदल चलकर यहाँ आए थे और इस बाग की खूनी मिट्टी को एक बोतल में भरकर ले गए थे, ताकि वह उन्हें हर पल गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की याद दिलाती रहे। आज, जब हम आजादी की खुली हवा में गर्व से सांस लेते हैं, तो हमें उन दीवारों की ओर एक बार जरूर देखना चाहिए जो आज भी गोलियों के निशानों को अपनी छाती पर लिए खड़ी हैं। वे निशान आज भी हमसे यह सवाल करते हैं कि जिस अखंड और मजबूत भारत के लिए उन्होंने अपना सीना छलनी करवाया था, क्या हम आज उस विरासत को संभाल पा रहे हैं? 13 अप्रैल का यह दिन केवल इतिहास को दोहराने या शोक मनाने का नहीं है, बल्कि यह खुद के भीतर झाँकने और अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को समझने का दिन है। उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश की एकता और अखंडता को किसी भी संकीर्ण सोच की भेंट न चढ़ने दें। जलियांवाला बाग की मिट्टी आज भी पवित्र है क्योंकि उसमें हमारे पुरखों का पसीना और लहू एक साथ मिला हुआ है। हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि जिस आजादी का उत्सव हम मनाते हैं, उसकी जड़ें उसी बाग की नम और खूनी मिट्टी में कहीं गहरी धँसी हुई हैं। हिंदुस्तान उस महान बलिदान को कभी नहीं भूल सकता, और एक सजग नागरिक के तौर पर हमें भी इसे कभी विस्मृत नहीं होने देना चाहिए।
(लेखक पत्रकार हैं)

पचास हजार का इनामी आरिफ एसटीएफ के हत्थे चढ़ा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। यूपी एसटीएफ को बड़ी कामयाबी मिली है। गैंगस्टर एक्ट में वांछित 50 हजार रुपये का इनामी अभियुक्त आरिफ को टीम ने गिरफ्तार कर लिया। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। एसटीएफ फील्ड इकाई, प्रयागराज को 13 अप्रैल को सूचना मिली कि थाना मेहनगर में दर्ज मुकदमा संख्या 39/2026 में वांछित आरिफ क्षेत्र में मौजूद है। इस पर पुलिस उपाधीक्षक शैलेश प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण और निरीक्षक जय प्रकाश राय के नेतृत्व में टीम ने बिंद्रा बाजार-खरिहानी रोड से घेराबंदी कर रात करीब 8:05 बजे आरोपी को दबोच लिया।

गिरफ्तार आरिफ पुत्र इस्माइल, थाना मुबारकपुर के खौरा रसूलपुर व्यवहारा गांव का निवासी है। पूछताछ में उसने बताया कि वह वर्ष 2022 से साथियों के साथ मिलकर पशु खरीद-बिक्री की आड़ में गौकशी का धंधा करता था। उसके खिलाफ पहले से ही कई मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार, मेहनगर थाने में आरिफ व उसके साथी सोनू उर्फ जावेद और पप्पू उर्फ अली अहमद के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। इसी मामले में वह वांछित था और उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135 जयंती मनाई

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरी कार्यक्रम बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135वी जयंती के अवसर पर सम्मिलित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया । इस अवसर पर सेक्टर प्रभारी भाई लाल यादव, संगम लाल मौर्य, अमरेंद्र यादव जिला सचिव ग्राम प्रधान पंचदेवरा ओमप्रकाश सरोज सुशील मौर्य राजेश सरोज बृजेश यादव विजय सरोज राज सरोज अभिषेक सरोज अतुल हरिजन सौरभ सरोज सुजीत गौतम पवन गौतम एवं सैकड़ो माताएं एवं बहाने उपस्थित रहे।

उप्र में 'सोलर दीदी' अभियान को मिली रफ्तार, महिलाएं कर रहीं स्वच्छ ऊर्जा क्रांति की अगुवाई

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को गति देने के लिए एक अभिनव पहल के रूप में "सोलर दीदी" अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए महिलाओं को केंद्र में रखकर यह मॉडल तैयार किया है, जो अब प्रभावी परिणाम देने लगा है। इस अभियान के तहत वाराणसी में 111 और अयोध्या में 148 महिलाएं 'सोलर दीदी' के रूप में सक्रिय होकर रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को बढ़ावा दे रहीं हैं। इन महिलाओं को शहरी स्थानीय निकायों की ओर से प्रति माह एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

राज्य सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक, राज्य के प्रमुख शहरों, लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, प्रयागराज और वाराणसी में शहरी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 'सोलर दीदी' के रूप में चिन्हित करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। यह पहल दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के समन्वय से लागू की जा रही है। इस अभियान की खास बात यह है कि चयनित ह्यसोलर दीदीह्न घर-घर जाकर लोगों को सौर ऊर्जा के लाभों के बारे में जागरूक करतीं हैं। साथ ही वे उपभोक्ताओं को आवेदन प्रक्रिया में सहयोग देने से लेकर इंस्टॉलेशन और रखरखाव तक पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभातीं हैं। इस प्रकार वे सरकार और आम जनता के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य कर रहीं हैं।

महिलाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए 7 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद महिलाएं सहायक के रूप में कार्य कर सकतीं हैं, जबकि प्रशिक्षित एवं प्रमाणित सदस्य तकनीशियन की भूमिका निभाने में सक्षम होंगी। इसके अलावा सिटी लेवल फेडरेशन और एरिया लेवल फेडरेशन को भी विक्रेता के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे वे मांग सृजन, इंस्टॉलेशन समन्वय और सेवा वितरण में सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

प्रदेश में पहले से मौजूद मजबूत स्वयं सहायता समूह नेटवर्क इस अभियान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हजारों सक्रिय समूहों के माध्यम से यह पहल तेजी से जमीनी स्तर तक पहुंच रही है, जिससे सोलर ऊर्जा के प्रति जागरूकता और स्वीकार्यता दोनों बढ़ रही हैं। यूपी नेडा के अधिकारियों के अनुसार, ह्यसोलर दीदीह्न मॉडल न केवल योजना के लक्ष्यों को शीघ्रता से हासिल करने में मदद करेगा, बल्कि सामाजिक विश्वास, जनभागीदारी और महिला सशक्तीकरण को भी नई दिशा देगा। यह पहल उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रही है।

नोएडा में मजदूरों का हिंसक प्रदर्शन, एक सुनियोजित साजिशः पुलिस आयुक्त

नोएडा।
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के नोएडा में सोमवार को श्रमिकों का हिंसक प्रदर्शन एक सोची समझी साजिश थी और पुलिस इसके पीछे हुए घटनाक्रमों की गहराई से जांच करके पूरे षड़यंत्र को बेनकाब करेगी।

गौतमबुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने मंगलवार को यहां बताया कि मजदूरों के प्रदर्शन को मैनेज करने के लिए न केवल कई वॉट्सऐप ग्रुप बनाए गए बल्कि क्यूआर कोड स्कैनर से मजदूरों को इसमें जोड़ा गया। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि सोमवार को विभिन्न स्थानों से सामने आई हिंसक प्रदर्शन की घटनाओं के सिलसिले में अब तक 7 एफआईआर दर्ज कर 396 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस आयुक्त ने कहा, "पिछले दो दिन में कई वॉट्सऐप समूह बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से क्यूआर कोड स्कैन करके श्रमिकों को जोड़ा जा रहा है। इससे संकेत मिलता है कि इन गतिविधियों के पीछे एक संगठित और सुनियोजित नेटवर्क सक्रिय है।उन्होंने कहा कि अशांति फैलाने में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और कार्रवाई जारी है। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां होगी। उन्होंने कहा कि भीड़ में शामिल ऐसे तत्वों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। भविष्य में भी गिरफ्तारियां की जाएंगी।

पुलिस आयुक्त ने इस प्रदर्शन के पीछे विदेशी हाथ होने की संभावना से इन्कार नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन के पीछे फंडिंग की भी जांच की जाएगी।

संविधान के शिल्पी को नमन, जयंती पर गूंजे समता और न्याय के स्वर

जिलेभर में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

मीरजापुर।
भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार को जनपद के सभी सरकारी व गैर-सरकारी कार्यालयों में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई और उनके विचारों को याद किया गया।

आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मंडलायुक्त राजेश प्रकाश, अपर आयुक्त न्यायिक डॉ. विश्राम व अधिवक्ताओं ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

मंडलायुक्त ने उन्हें बहुआयामी प्रतिभा का धनी बताते हुए कहा कि वे उत्कृष्ट विद्वान, विधिवेत्ता और अर्थशास्त्री थे। उन्होंने समता, बंधुता, शिक्षा और न्याय के मूल्यों पर आधारित समाज की परिकल्पना की।

समाज के विकास के लिए व्यावहारिक सोच और सकारात्मक आलोचना आवश्यक : प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी

वाराणसी।
भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर की जयंती पर मंगलवार को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान स्थित के.एन. उडुप्पा सभागार में उन्हें नमन किया गया। बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकरः समावेशी भारत के निर्माण में शिक्षा, न्याय व समानता की भूमिकाह्न विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन संघर्ष, योगदान का उल्लेख किया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए बीएचयू कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष और दूरदृष्टि का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण में उनकी भूमिका ने देश को समान अवसर, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय का सशक्त आधार प्रदान किया। कुलपति ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कठिन परिस्थितियों से निकलकर शिक्षा के माध्यम से अपना विशिष्ट स्थान बनाया। भारतीय संविधान के निर्माण में ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में उनका योगदान देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। प्रो. चतुर्वेदी ने ह्लप्रैग्मैटिज्म एवं कंस्ट्रक्टिव क्रिटिसिज्मह्न पर बल देते हुए कहा कि समाज के विकास के लिए व्यावहारिक सोच और सकारात्मक आलोचना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों के बीच बाबा साहेब के विचारों के व्यापक प्रसार के लिए क्विज एवं विशेष व्याख्यान आयोजित करने का भी सुझाव दिया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि मुकेश कुमार मेश्राम (आईएएस), अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश ने कहा कि शिक्षा ही वास्तविक क्रांति का माध्यम है, जो विचारों के जरिए समाज को बदलती है।

उन्होंने युवाओं को सकारात्मक सोच, आत्मज्ञान और अपने सामर्थ्य को पहचानने की प्रेरणा दी तथा समावेशी समाज के निर्माण के लिए आत्मनिर्भरता और बड़े सपने देखने पर बल दिया।

बतौर मुख्य वक्ता, प्रो. एम.पी. अहिरवार (विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, कला संकाय, बीएचयू) ने बाबा साहेब के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक योगदानों की चर्चा करते हुए कहा कि उन्हें केवल एक वर्ग विशेष तक सीमित नहीं किया जा सकता।

जैन मिलन मुरादाबाद के अध्यक्ष बने आशु जैन , मंत्री की जिम्मेदारी मिली मोहित जैन को

मुरादाबाद।
जैन मिलन मुरादाबाद की नवीन कार्यकारिणी के अधिष्ठापन समारोह मंगलवार को सभागृह समर्पण भवन रामगंगा विहार जैन मंदिर में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। नवीन कार्यकारिणी के अध्यक्ष के रूप में अतिवीर आशु जैन व मंत्री पद पर वीर मोहित जैन की घोषणा हुई।

अधिष्ठापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति सुरेश जैन ने जैन मिलन के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की एवं जैन मिलन मुरादाबाद की नवीन कार्यकारिणी के अध्यक्ष अतिवीर आशु जैन, मंत्री वीर मोहित जैन एवं पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष अतिवीर आशु जैन, मंत्री वीर मोहित जैन के नेतृत्व में जैन मिलन मुरादाबाद सेवा एवं धार्मिक,सामाजिक कार्यक्रमों में नई ऊंचाइयां प्राप्त करें। सुरेश जैन ने आवश्यक होने पर हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अति वीर प्रदीप जैन ने सभी नए पदाधिकारी अध्यक्ष, मंत्री के साथ उपाध्यक्ष रजनीश जैन एवं वीर संजीव जैन उप मंत्री वीर अभिषेक जैन कोषाध्यक्ष वीर संजय जैन को अपने पद को निष्ठाफं पूर्वक निभाने एवं जैन मिलन के प्रति समर्पण की शपथ दिलाई। जैन मिलन के क्षेत्रीय अध्यक्ष अति वीर संदेश कुमार जैन ने जैन मिलन के इस वर्ष के कार्यक्रमों को विस्तार से बताया और यह वर्ष 2026-27 को जैन सम्राट गौरव वर्ष के रूप में मनाया जाएगा।

सामाजिक एकता को मजबूत करने का संकल्प

हाथरस ।
जिले के गांव नगला झुन्ना में संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। आगरा अलीगढ़ राजमार्ग स्थित गांव के मुख्य द्वार पर बाबा साहब की प्रतिमा पर अनुयायियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान "जय भीम" और "बाबा साहब अमर रहें" के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्ष, शिक्षा के प्रति उनके समर्पण और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए किए गए उनके कार्यों को याद किया। उन्होंने बताया कि बाबा साहब ने भारतीय संविधान के माध्यम से देश को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का मजबूत आधार प्रदान किया। इस अवसर पर बाबा साहब के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक संस्मरण सुनाए गए। अतिथियों और अनुयायियों का पटका पहनाकर स्वागत किया गया। आयोजन स्थल को नीले रंग के झंडों और सजावट से आकर्षक रूप दिया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडीओ राजेश किंग उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने डॉ. अंबेडकर के जीवन को युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बताया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में शिक्षा, समानता और भाईचारे को बढ़ावा दिया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाबा साहब के बताए रास्ते पर चलने और सामाजिक एकता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर रमेश चंद्र जाटव, मुकेश पिप्पल, मोहन मालती स्वरूप, सुनील कुमार, गजेंद्र सिंह, रामकिशन प्रधान, अवर अभियंता संजय सिंह, राकेश कुमार, सुशील कुमार, अरविंद सिंह, अजीत कुमार, निहाल सिंह, अमर सिंह कटारा, सुग्रीव सिंह, मुरारी लाल, लाखन सिंह, महेश चंद्र और कृपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में अनुयायी और ग्रामीण मौजूद थे।

उप्र में 14566 नंबर हेल्पलाइन बनी सहारा, एक साल में सौ फीसदी शिकायतों का निस्तारण

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में समाज कल्याण विभाग की ओर संचालित 14566 नंबर अत्याचार एवं उत्पीड़न हेल्पलाइन प्रदेश के पीड़ितों के लिए मजबूत सहारा बनकर उभरी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में हेल्पलाइन के माध्यम से कुल 553 शिकायतें दर्ज की गईं। इन सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया गया। योगी सरकार का स्पष्ट संदेश है कि किसी भी पीड़ित को न्याय से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

समाज कल्याण विभाग की ओर से जारी किए गए विज्ञप्ति के मुताबिक, एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक कुल 628 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें अप्रैल में 45, मई में 37, जून और जुलाई में 65-65, अगस्त में 57, सितंबर में 80, अक्टूबर में 79, नवंबर में 40, दिसंबर में 35, जनवरी में 37, फरवरी में 48 और मार्च में 40 शिकायतें शामिल हैं। जांच के दौरान 75 शिकायतें दो बार दर्ज पाई गईं, जिन्हें अलग कर दिया गया। इसके बाद शेष सभी मामलों में संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर कार्रवाई सुनिश्चित कराई गई।

समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता का विशेष ध्यान रखा गया है।

हेल्पलाइन पर कॉल आते ही शिकायत को ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज किया जाता है और संबंधित जिले को तत्काल प्रेषित किया जाता है।

इसके साथ ही उसकी एक प्रति समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को भी भेजी जाती है, जिससे हर स्तर पर निगरानी बनी रहे। कार्रवाई पूरी होने के बाद पीड़ित- पीड़िताओं से फीडबैक लेकर यह सुनिश्चित किया जाता है कि उसे वास्तविक न्याय मिला है या

विवाहिता ने पति, भाइयों के साथ मिल कर प्रेमी व उसके दोस्त को उतारा मौत के घाट, नहीं हुई थी हादसे में मौत, चारों गिरफ्तार

बलरामपुर।
उत्तर प्रदेश के जनपद बलरामपुर में सोमवार को महराजगंज तराई क्षेत्र में हुई सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में पता चला है कि यह हादसा नहीं सुनियोजित हत्या कर हादसे का रूप देने की कोशिश की गयी थी। इस प्रकरण में पुलिस ने मंगलवार को हत्या में शामिल विवाहिता, पति, भाई समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने घटना स्थल से मृतक के मोबाइल का टूटा हुआ हिस्सा, एक माला तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। मारे गये दोनों युवकों में एक विवाहिता का प्रेमी दीपचंद उर्फ छोटू और दूसरा प्रेमी का दोस्त मनोज था।

मंगलवार को पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि वादी प्रमोद पुत्र गिरवर निवासी ग्राम रमवापुर, थाना तुलसीपुर, जनपद बलरामपुर द्वारा 13 अप्रैल को अपने भाई मनोज और पड़ोसी दीपचंद उर्फ छोटू की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने के संबंध में थाना महराजगंज तराई में लिखित तहरीर दी गई थी। इस आधार पर अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। 14 अप्रैल को विवेचना के दौरान संकलित साक्ष्यों एवं कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि यह सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या का मामला है। इसके बाद पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया तथा मुकदमे में आवश्यक धाराओं की बढ़ोत्तरी की गई।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ के दौरान अभियुक्ता खुशबू वर्मा ने बताया कि उसका शादी से पूर्व दीपचंद उर्फ छोटू से उसका प्रेम संबंध था, जो शादी के बाद भी जारी रहा। इस कारण उसके पारिवारिक जीवन में तनाव बना रहता था। साथ ही दीपचंद के पास उसकी कुछ पुरानी तस्वीरें थीं, जिनके आधार पर वह उस पर दबाव बनाता था। इसी से परेशान होकर खुशबू ने अपने पति, भाई और चचेरे भाई के साथ मिलकर दीपचंद को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

योजना के तहत दीपचंद और उसके मित्र मनोज को गांव के बाहर बुलाकर उनकी हत्या कर दी गई। इसके बाद शवों को मोटरसाइकिल पर लादकर लौकहवा के सेवरहवा नाले के पास फेंक दिया गया, ताकि मामला सड़क दुर्घटना प्रतीत हो।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन संघर्ष और समर्पण का प्रतीक :अजय राय

लखनऊ।
भारतीय संविधान के निमार्ता तथा समाज के दलित, शोषित, वंचित और पीड़ित वर्ग के लोगों के हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले मसीहा डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने राजधानी के हजरतगंज स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का संचालन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कंट्रोल रूम के प्रभारी विजय बहादुर ने किया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए अजय राय ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने भारतीय समाज को समानता, न्याय और अधिकारों का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी प्रासंगिक है। उनका जीवन संघर्ष और समर्पण का प्रतीक है, जिससे प्रत्येक नागरिक को प्रेरणा लेनी चाहिए। श्री राय कहा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए जो कार्य किए, वह सदैव स्मरणीय रहेंगे।

65 से बढ़कर 3330 पर पहुंचा शेयर, 5 साल में निवेशकों की बदली किस्मत

नईदिल्ली, एजेंसी। कोरोना के दौर में कुछ शेयरों ने चौंकाने वाला रिटर्न दिया। ऐसा ही एक शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का है। इस शेयर से सिर्फ पांच साल में निवेशकों को 4900 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला।

शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक है जिन्होंने कम समय में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। खासतौर पर कोरोना के दौर में कुछ शेयरों ने चौंकाने वाला रिटर्न दिया। ऐसा ही एक शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का है। इस कंपनी के शेयर की कीमत पांच साल पहले 65 से बढ़कर 3330 हो गई है। इस तरह, सिर्फ पांच साल में निवेशकों को 4900 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला। अगर रकम के हिसाब से देखें तो साल 2021 में किया गया 1 लाख का निवेश बढ़कर लगभग 50 लाख के आसपास हो गया होगा।

बीएसई को लेकर नया अपडेट

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को सेबी से फोकस्ड इंडेक्स पर डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट लॉन्च करने की मंजूरी मिली है। यह डेरिवेटिव सेगमेंट में अपने उत्पादों की रेंज को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। बीएसई फोकस्ड आईटी इंडेक्स, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सेक्टर की 14 कंपनियों के परफॉर्मेंस को ट्रैक करता है, जिससे निवेशकों को इस सेक्टर के लिए एक खास बेंचमार्क मिलता है। एक्सचेंज के मुताबिक लॉन्च की टाइमलाइन और कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी खास बातों के बारे में और जानकारी अलग-अलग सर्कुलर के जरिए दी जाएगी।

वर्तमान में शेयर का हाल- बीएसई के शेयर अपनी पिछली क्लोजिंग 3,257.40 रुपये के मुकाबले 3,310 रुपये पर खुले और 3,330 रुपये तक पहुंच गए। इस दौरान शेयर 3,234 रुपये के लो पर भी आया। शेयर की क्लोजिंग 3,281.20 रुपये पर हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने बीते 9 फरवरी को एफवाय26 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस तिमाही में मुनाफा 601.81 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बताए गए 219.67 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट से 174 प्रतिशत की साल-दर-साल बढ़ोतरी है। इस बीच, तिमाही के दौरान कंपनी का ऑपरेशन से रेवेन्यू लगभग 62 प्रतिशत सालाना बढ़कर 1,244.10 करोड़ रुपये हो गया। यह भारत के सबसे पुराने और सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंजों में से एक है, जिसकी स्थापना 1875 में हुई थी। यह इक्विटी, डेरिवेटिव और डेट सिक्योरिटीज जैसे अलग-अलग फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स में ट्रेडिंग के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रोवाइड करके भारतीय कैपिटल मार्केट में एक अहम भूमिका निभाता है। यह अपने मजबूत तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जाना जाता है और इसने ऑन-लाइन ट्रेडिंग सिस्टम जैसे इनोवेशन की शुरुआत की है। म्यूचुअल फंड उद्योग में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

आपूर्ति का भरोसा दिलाया और ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल की अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नागरिकों को भरोसा दिलाया है कि पूरे देश में एलपीजी की आपूर्ति स्थिर और पर्याप्त है। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे घबराहट में ज्यादा खरीदारी न करें और ज़िम्मेदारी के साथ एलपीजी का इस्तेमाल करते रहें। मौजूदा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मज़बूती का ज़िक्र करते हुए, मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी की उपलब्धता पर निगरानी रखी जा रही है और इसका प्रबन्धन किया जा रहा है, ताकि देश भर के परिवारों तक बिना किसी रुकावट के एलपीजी पहुँचती रहे। मंत्रालय ने एलपीजी बुकिंग के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल पर भी ज़ोर दिया। अब लगभग 95 फीसदी उपभोक्ता आईवीआरएस, एसएमएस, व्हॉट्सऐप और मोबाइल ऐप के ज़रिए बुकिंग करते हैं। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे इन आसान और प्रभावी डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल करते रहें, ताकि डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर भीड़ न लगे और उन्हें बिना किसी रुकावट के सेवा मिलती रहे।

टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये

अब 44 लाख रुपये से ज्यादा हो गए

नईदिल्ली, एजेंसी। गोल्ड और टाइटन के पिछले 16 साल के रिटर्न की बात करें तो टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये अब 44 लाख रुपये से ज्यादा हो गए हैं। वहीं, 1 लाख रुपये से खरीदे गए गोल्ड के दाम अब 8 लाख रुपये के ऊपर पहुंच गए हैं। गोल्ड को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक माना जाता है।

निवेशकों को मालामाल करने के मामले में भी गोल्ड का कोई जवाब नहीं है।

हालांकि, अगर आप जोखिम उठा सकते हैं तो मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों के शेयरों में भी आपको छप्परफाड़ रिटर्न मिल सकता है।

हमने गोल्ड और शेयर के रिटर्न की एक तुलना करने की कोशिश की है। हालांकि, दोनों बिल्कुल अलग-अलग निवेश विकल्प हैं और दोनों के अपने नफा-नुकसान हैं। हमने गोल्ड और ज्वैलरी बिजनेस से जुड़ी टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयरों में 1-1 लाख रुपये के निवेश के आधार पर कैलकुलेशन किया है। निवेश की अवधि हमने 16 साल रखी है तो आइए जानते हैं कि गोल्ड और टाटा ग्रुप के स्टॉक टाइटन, किसने निवेशकों को ज्यादा रिटर्न दिया।

टाइटन ने जून 2011 में अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया।

साथ ही, टाइटन ने जून 2011 में ही 10:1 के रेशियो में अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) किया।

बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट जोड़ लें तो शेयरों की कुल संख्या 960 पहुंच जाती है। टाइटन के शेयर शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 को में 4,505 रुपये पर बंद हुए हैं। इस हिसाब से 960 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 44.86 लाख रुपये होती है।

गोल्ड में लगाए गए 1 लाख रुपये अब बन गए 8 लाख रुपये से ज्यादा

गोल्ड ने भी अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है। पिछले दिनों ही गोल्ड के दाम 1,75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गए थे। अगर 16 साल पहले गोल्ड में लगाए गए 1 लाख रुपये का कैलकुलेशन देखें तो अप्रैल 2010 में 24 कैरेट गोल्ड का रेट 18,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था।

टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये

अब बने 44 लाख से ज्यादा टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयर 20 अप्रैल 2010 को 2046.10 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 20 अप्रैल 2010 को टाइटन के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसे कंपनी के 48 शेयर मिलते।

सैलरी से लेकर पेंशन तक पर होगी बात

8वें वेतन आयोग के लिए सोमवार को बड़ी बैठक

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए 13 अप्रैल की तारीख काफी अहम है। इस दिन आठवें वेतन आयोग के लिए अपना मेमोरेंडम फाइनल किया जाएगा। इसके लिए नेशनल काउंसिल ऑफ जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी की अहम बैठक होने वाली है। यह बैठक इसलिए अहम है क्योंकि कर्मचारियों के प्रतिनिधि सैलरी, पेंशन और सेवा शर्तों से जुड़ी अपनी मांगों को एक साझा मेमोरेंडम में इकट्ठा कर रहे हैं, जिसे 8वें वेतन आयोग को सौंपा जाएगा।ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन के सी. श्रीकुमार ने इकोनॉमिक टाइम्स को बताया कि 13 अप्रैल की बैठक में संभवतः एक साझा ज्ञापन को अंतिम रूप दिया जाएगा। रेलवे, रक्षा और अन्य क्षेत्रों के कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ मिलकर इस बैठक में अपने प्रस्तावों पर चर्चा करेगा और उन्हें अंतिम रूप देगा। फिटमेंट फैक्टर की होगी बड़ी भूमिका

आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों में फिटमेंट फैक्टर की बड़ी भूमिका होगी। इसका इस्तेमाल सरकारी कर्मचारियों की सैलरी, पेंशन और भत्तों को रिवाइज करने के लिए किया जाता है। केंद्रीय कर्मचारियों का सैलरी स्ट्रक्चर अभी 7वें वेतन आयोग के फिटमेंट फैक्टर पर आधारित है, जिसे 2016 में लागू किया गया था। आयोग ने 2.57 का फिटमेंट फैक्टर इस्तेमाल किया था। आठवें वेतन आयोग में कुछ कर्मचारी समूह 3.15 के फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रहे हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने संसद में कहा था कि 8वां वेतन आयोग केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों पर अपनी सिफारिशें देगा।

वेतन आयोग की 24 अप्रैल को बैठक

वेतन आयोग की बैठक 24 अप्रैल, 2026 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में होगी। 8वें वेतन आयोग ने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, संगठनों, यूनियनों और अन्य हितधारकों से वेतन, पेंशन, भत्ते और नौकरी से संबंधित अन्य मामलों के संबंध में सुझाव और अभ्यावेदन आमंत्रित किए हैं।

12 मार्च को भी हुई थी बैठक

बता दें कि 13 अप्रैल की यह बैठक 12 मार्च को हुई पिछली चर्चाओं के बाद हो रही है। इस बैठक में ड्राफ्टिंग कमिटी के सदस्यों ने संयुक्त ज्ञापन में शामिल किए जाने वाले मुख्य प्रस्तावों पर चर्चा की थी। वही, एनसी-जेसीएम (स्टाफ साइड) के सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने 1 अप्रैल के एक पत्र में आयोग से आग्रह किया था कि अंतिम प्रस्ताव जमा करने से पहले, वह अपनी प्रश्नावली में नौ अतिरिक्त बिंदुओं पर विचार करे।.

डीए ऐलान के बाद भी 4 महीने का एरियर केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी पर बड़ा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर केंद्र सरकार मार्च के महीने में होली के आसपास डीए बढ़ोतरी का ऐलान कर देती है। यह साल की पहली छमाही के लिए लागू होता है।अप्रैल महीने के 10 दिन से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन अब तक कर्मचारियों के डीए बढ़ोतरी का ऐलान नहीं हुआ। केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता यानी डीए में इजाफे का इंतजार बढ़ता जा रहा है। अप्रैल महीने के 10 दिन से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन अब तक कर्मचारियों के डीए बढ़ोतरी का ऐलान नहीं हुआ। इस देरी की वजह से अब केंद्रीय कर्मचारियों की अप्रैल की सैलरी पर भी असर पड़ने की आशंका है। आइए समझते हैं पूरा मामला।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स इस बात से सहमत हैं कि पिछले सालों के मुकाबले इस बार डीए में थोड़ी देरी हुई है। अखिल शेट्टी ने मनीकंट्रोल से इसकी वजह बताते हुए कहा- यह शायद एडमिनिस्ट्रेटिव सीक्वेंसिंग और 8वें फ्रेमवर्क की ओर बदलाव की वजह से है, जिसके लिए अपडेटेड पे स्ट्रक्चर और महंगाई के डेटा के बीच तालमेल जरूरी होता है।

क्या है मामला

आमतौर पर केंद्र सरकार मार्च के महीने में होली के आसपास डीए बढ़ोतरी का ऐलान कर देती है। यह साल की पहली छमाही के लिए लागू होता है। मार्च महीने में डीए ऐलान के बाद कर्मचारियों की अगले महीने सैलरी बढ़कर आती है। इसमें जनवरी, फरवरी महीने का एरियर भी जुड़ा रहता है। हालांकि, इस बार भत्ते में देरी से अब केंद्रीय कर्मचारियों को मई महीने का इंतजार करना पड़ सकता है।

दरअसल, केंद्र सरकार के कई ऐसे भी विभाग हैं जहां सैलरी कैल्कुलेशन 15 से 15 तारीख का चलता है। मतलब ये कि जो सैलरी बनती है वो पिछले महीने की 15 तारीख से चालू महीने की 15 तारीख तक की होती है। अगर डीए के ऐलान में देरी होती है तो यह सभव है कि केंद्रीय कर्मचारियों की मई की सैलरी।

सैमसंग के और गैलेक्सी डिवाइसेस पर मिलेगा वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग अपने वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम का विस्तार और अधिक गैलेक्सी डिवाइसों तक कर रहा है। मार्च में वन यूआई 8.5 बीटा के विस्तार के बाद, अब यह प्रोग्राम गैलेक्सी एस23 सीरीज़, गैलेक्सी जेड फोल्ड5, गैलेक्सी जेड फ्लिप5, गैलेक्सी एस23 एफई और पहली बार ए-सीरीज़ के गैलेक्सी ए36 5जी सहित अन्य डिवाइसेस के लिए जारी किया जा रहा है। यह बीटा प्रोग्राम भारत, कोरिया, यूके और अमेरिका जैसे चुनिंदा बाजारों में चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होगा। एंड्रॉइड के साथ अपने निरंतर सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग वन यूआई 8.5 बीटा पर क्विक शेयर के माध्यम से एयरड्रॉप के लिए सपोर्ट पेश कर रहा है, जिससे गैलेक्सी एस25 सीरीज़, गैलेक्सी एस24 सीरीज़, गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सीजेड जेड फ्लिप7, गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 जैसे चुनिंदा डिवाइसेस के उपयोगकर्ताओं के लिए क्रॉस-प्लेटफॉर्म फाइल शेयरिंग अधिक सुगम हो जाएगी। बीटा प्रोग्राम का विस्तार इस महीने के अंत में अन्य गैलेक्सी डिवाइसेस तक भी जारी रहेगा और इच्छुक उपयोगकर्ता सैमसंग मेंबर्स ऐप के माध्यम से इसके लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

सैमसंग ने भारत में टॉप माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर्स तक बढ़ाया अपना बीस्पोक एआई लाइन-अप

बिजली की बचत ● ताज़गी और सुविधा के लिए इसमें है एआई एनर्जी मोड ● फ्लैट डोर डिज़ाइन और एडवांस कूलिंग

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने बीस्पोक एआई टॉप-माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर लाइन-अप के विस्तार की घोषणा की है। यह नई रेंज भारतीय घरों में समझदारी भरी बिजली बचत और आधुनिक लुक लाने के लिए तैयार की गई है। शानदार बीस्पोकडिज़ाइन वाले इन रेफ्रिजरेटर्स में एडवांस एआई फीचर्स, स्मार्ट कनेक्टिविटी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस काबेहतरीन मेल है।

रेफ्रिजरेटर्स की इस नई रेंज में 256 लीटर और 236 लीटर की क्षमता वाले चुनिंदा मॉडल्स वाई-

फाईकनेक्टिविटी के साथ आते हैं, ताकि इन्हें स्मार्टथिंग्स ऐप के ज़रिए स्मार्टफोन से आसानी से कंट्रोल और मॉनिटरकिया जा सके। इन मॉडल्स में स्टाइलिश फ्लैट-डोर डिज़ाइन के साथ-साथ तुरंत कूलिंग के लिए पावर कूल और पावर फ्रीज़ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इंडस्ट्री के बेहतरीन मानकों के साथ, ये रेफ्रिजरेटर्स बिजली बचानेऔर शानदार परफॉर्मेंस देने के लिए बनाए गए हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज़ बिज़नेस के वाइस प्रेसिडेंट घुफरान आलम ने कहा, भारत में सैमसंग के 30 साल पूरे होने के मौके पर, हम भारतीय ग्राहकों के लिए लगातार नए और बेहतर एनर्जी-एफिशिएंट समाधान ला रहे हैं। 300 लीटर से कम क्षमता वाले हमारे नए एआई-इनेबल्ड रेफ्रिजरेटर्स, जिनमें बीस्पोक एआई टॉप माउंट फ्रीज़र भी शामिल है, भारतीय घरों में स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी, मॉडर्न डिज़ाइन और बेहतर बिजली मैनेजमेंट की सुविधा देते हैं। यह एआई तकनीक को हर किसी तक पहुँचाने और लोगों की ज़रूरत के हिसाब से समाधान देने की हमारी कोशिश को दर्शाता है।

बेहतर बिजली मैनेजमेंट के लिए एनर्जी मोड

बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर्स में एआई एनर्जी मोड दिया गया है, जो आपके फ्रिज को इस्तेमाल करने का तरीका समझता है और बिजली की खपत का अनुमान लगाता है। यह बिजली के इस्तेमाल को 10 प्रतिशत तक कम करने में मदद करता है। ग्राहक स्मार्टथिंग्स एनर्जी ऐप के ज़रिए रोज़ाना, साप्ताहिक या मासिक आधार परबिजली के खर्च को ट्रैक भी कर सकते हैं, जिससे बिजली का मैनेजमेंट और आसान हो जाता है।

भारत में पेट केयर पर होने वाले खर्च और पेट केयर अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है

जेन ज़ी और मिलेनियल्स इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं

मुंबई, एजेंसी। पेट्स को सभी प्यार करते हैं। उनकी देखभाल करते हैं और एक परिवार के सदस्य की तरह उनका पालन-पोषण करते हैं। उनके साथ गहरे भावनात्मक जुड़ाव के कारण भारत में 'पेट पैरेंट्स' बढ़ रहे हैं। यह बदलाव केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में उनके लिए शॉपिंग, खर्च और उनकी केयर में भी दिखाई दे रहा है। भारत में पेट इंडस्ट्री पर जारी हुई आई.बी.ई.एफ रिपोर्ट के अनुसार यह सेक्टर लगभग 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जिसमें लोगों की बढ़ती आय, शहरी जीवनशैली और पेट की सेहत के प्रति बढ़ती प्राथमिकता का महत्वपूर्ण योगदान है। यह वृद्धि फ्लिपकार्ट पर भी प्रदर्शित हो रही है, जहाँ पेट-केयर के प्रति जीवनशैली पर आधारित बढ़ते दृष्टिकोण के साथ इस श्रेणी में 50 प्रतिशत से अधिक की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज हो रही है। ग्राहकों द्वारा फ्लिपकार्ट पर कुत्ते और बिल्लियों से लेकर मछलियों, पक्षियों और अन्य पालतू जानवरों तक कई दैनिक उपयोगिता की वस्तुओं और विशेष प्रीमियम प्रोडक्ट्स की खरीदारी की जा रही है। बैंगलोर, दिल्ली और कोलकाता जैसे शहर मांग के मुख्य केंद्र बन रहे हैं और पेट केयर के कुल ऑर्डर्स में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं। वहीं नॉन-मेट्रो शहर, जैसे मैसूर, देहरादून और कटक मेट्रो शहरों के बाहर पेट्स की बढ़ती ओनरशिप प्रदर्शित करते हैं।

पेट केयर में अब केवल फूड और हाईज़ीन की शॉपिंग ही नहीं,

बल्कि न्यूट्रिशन, ग्रूमिंग, वैलनेस और एनरिचमेंट आदि जैसी कई श्रेणियों की शॉपिंग शामिल हो गई है। इस परिवर्तन में नई पीढ़ी के पेट पैरेंट्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। आज फ्लिपकार्ट पर दर्ज होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मांग जेन ज़ी और मिलेनियल्स से प्राप्त हो रही है, जो पेट केयर के लिए ज्यादा सूचित और विकसित दृष्टिकोण रखते हैं।

आज पेट्स की लोगों के जीवन में गहरी भावनात्मक भूमिका है

वो दैनिक जीवन में साथ देते हैं, खेलते कूदते रहते हैं और आराम देते हैं। पेट पैरेंट्स के शॉपिंग के व्यवहार में उनका यह संबंध साफ दिखाई देता है और वो कम्फर्ट, केयर एवं संपूर्ण सेहत को अधिक महत्व देते हैं। फ्लिपकार्ट पर इसलिए एक बढ़ता हुआ परिवेश विकसित हो रहा है, जो पेट्स की केयर को सरल, सुलभ और बेहद निजी बनाता है।

हंगामा ओटीटी पर 'मंगलमुखी' लॉन्च

मुंबई। भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक हंगामा ओटीटी ने 9 अप्रैल 2026 को अपनी नई ओरिजिनल सीरीज 'मंगलमुखी' लॉन्च की। यह एक सशक्त क्राइम ड्रामा है, जिसकी कहानी वाराणसी और मुंबई जैसे दो अलग-अलग माहौल के बीच आगे बढ़ती है। इस सीरीज में एला डी वर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, उनके साथ नमिश तनेजा, रति पांडे और तान्या शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। यह कहानी एक हाई-स्टेक मर्डर मिस्ट्री को पहचान, सम्मान और संघर्ष की भावनात्मक परतों के साथ जोड़ती है। 'मंगलमुखी' की कहानी मंगल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ट्रांसजेंडर पुलिस ऑफिसर है और जिसे लंबे समय से अपने विभाग में तिरस्कार और नजरअंदाजी झेलनी पड़ी है। लेकिन उसकी जिंदगी तब बदलती है, जब उसे अपना पहला बड़ा केस मिलता है। यह केस एक लोकप्रिय टीवी स्टार की कैमरे पर हुई रहस्यमयी मौत से जुड़ा है, जो उसे वाराणसी से मुंबई के अंधेरे एंटरटेनमेंट जगत तक ले जाता है। जो शुरुआत में एक हादसा लगता है, वह धीरे-धीरे एक खौफनाक जांच में बदल जाता है, जहां मंगल को सिर्फ इंसाफ के लिए नहीं बल्कि अपनी पहचान के लिए भी लड़ना पड़ता है। अपने किरदार के बारे में एला डी वर्मा कहते हैं, मंगलमुखी सिर्फ एक पुलिस ऑफिसर की कहानी नहीं है, यह पहचान, हिम्मत और खुद पर विश्वास की कहानी है। उसकी यात्रा जेंडरसे आगे जाती है। यह साबित करने की कहानी है कि आपकी काबिलियत इस बात से तय नहीं होती कि समाज आपको कैसे देखता है। वह तेज, मजबूत और निडर है, और यही बात मुझे इस किरदार की तरफ खींच लाई।

वंदे भारत स्लीपर दूसरी ट्रेन की हो गई घोषणा

ना दिल्ली ना पटना, यह तो चलेगी मुंबई से

नईदिल्ली, एजेंसी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का इंतजार देश के हर राज्य को है। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन हावड़ा से गुवाहाटी रूट पर चली थी। दूसरी वंदे भारत के बारे में कयास था कि यह दिल्ली से पटना या दिल्ली से हावड़ा के रूट पर चलेगी। लेकिन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन सब कयासों पर विराम लगा दिया है। उन्हें खुद पत्र लिख कर सूचित किया है कि वंदे भारत स्लीपर का दूसरा रूट क्या होगा। अश्विनी वैष्णव ने बीते 5 अप्रैल को बेंगलुरु सेंट्रल से लोकसभा सदस्य पी.सी. मोहन को पत्र लिख कर बताया कि चस्क्र बेंगलुरु और छ्स्त्ख मुंबई स्टेशनों के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेवा को मंजूरी दी गई है। केएसआर बेंगलुरु रेलवे स्टेशन दरअसल बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन है जिसका नाम अब बदल कर क्रांतीवीर संगोली रायना बेंगलुरु कर दिया गया है। वैष्णव ने बताया कि इस समय ट्रेन के रूट, जर्नी टाइम और फ्रीक्वेंसी आदि पर काम कर चल रहा है। उन्होंने लिखा है 'ट्रेन सेवा जल्द ही शुरू होगी। 'बेंगलुरु से मुंबई 17 घंटे में

बेंगलुरु डिवीजन के डीआरएम आशुतोष कुमार सिंह ने डेक्कन हेराल्ड के साथ बातचीत में बताया है कि इन दोनों शहरों के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलेगी, इसकी घोषणा तो हो गई है। लेकिन अभी रूट फाइनल नहीं हुआ है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि दोनों शहरों के बीच यह ट्रेन 17 से 18 घंटे में यात्रा पूरी करेगी। इसका रूट क्या होगा, वाया कालबुर्गी या वाया हुबली इस सवाल पर उनका कहना था कि अभी भी इस पर काम चल रहा है। हां, उन्होंने बताया कि बेंगलुरु से मुंबई जाने का वाया हुबली छोटा रूट है जबकि वाया हुबली जाने में ज्यादा समय लगता है।

केकेआर के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। सीएसके की टीम ने संजू सैमसन के शतक से पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। अब उसका लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना होगा। सीएसके की ओर से पिछले मैच में जेमी ओवरटन ने भी चार विकेट लेकर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। जिसे वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। उन्होंने अपनी उछाल भरी गेंदों से विरोधी टीम के बल्लेबाजों को हैरान कर दिया था। वहीं स्पिनर अकील हुसैन ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

बल्लेबाजी में सीएसके के पास सैमसन के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी हैं।युवा डेवाल्ड ब्रेविस के फिट होकर वापसी करने का भी लाभ मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर केकेआर इस सत्र में अब तक एक भी मैच नहीं जीती है और ऐसे में उसपर इस मैच में किसी प्रकार से जीत हासिल करने का दबाव रहेगा। पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ वह जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में अजिंक्य रहाणे इस मैच में किस रणनीति से उतरते हैं ये देखना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही इस सत्र में अच्छी नहीं रही है।

कैमरन ग्रीन के गेंदबाजी शुरु करने से हालांकि उसकी उम्मीदें जगी हैं। रिंकू सिंह भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और उनका इरादा अब अपने को साबित करना रहेगा। रहाणे ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है पर उन्हें अंत तक टिके रहना होगा। युवा अंगकृष रघुवंशी और रोवमैन

पॉवेल भी फार्म में आ गये हैं जो टीम के लिए सकारात्मक संकेत हैं। . केकेआर को अगर सीएसके को उसके घरेलू मैदान पर हराना है तो उसके गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मेजबान टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अबतक दोनो के बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें सीएसके ने 20 मैच जीते हैं, जबकि केकेआर ने 11 मैचों में जीत हासिल की है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला है।

पिच की बात करें तो शुरुआत में बल्लेबाजों को लाभ होता है पर मैच आगे बढ़ने

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स- संजू सैमसन (विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, अकील हुसैन, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, गुरजनप्रीत सिंह

इम्पैक्ट प्लेयरः कार्तिक शर्मा/मैथ्यू शॉर्ट

कोलकाता नाइट राइडर्स- फिन एलन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, ब्लेसिंग मुजरबानी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयरः नवदीप सैनी

रॉयल्स के मैनेजर रोमी पर कार्रवाई कर सकता है बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के टीम मैनेजर रोमी भिंडर की मुश्किलें बढ़ सकती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच के दौरान टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग करना उन्हें भारी पड़ सकता है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी उनपर कार्रवाई कर सकता है। गुवाहाटी में हुए इस मैच में रोमी टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के पास बैठकर मोबाइल चला रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी माना है कि टीम मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है।

इस अधिकारी ने कहा, जी हां रोमी ने वास्तव में खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के लिए बने प्रोटोकॉल को तोड़ा है क्योंकि मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग नहीं किया जा सकता है। आईपीएल के अनुसार, टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का उपयोग कर सकता है पर डगआउट में नहीं। रोमी फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही इससे जुड़े हुए हैं और जानकारों का मानना है कि उन्हें भ्रष्टाचार रोधी प्रोटोकॉल के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए। अब देखना होगा कि उनपर क्या कार्रवाई होती है।

इस अधिकारी ने कहा, यह अनजाने में भी हो सकता है पर इस पर कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन है। चेतावनी दी जाएगी या प्रतिबंध लगाया जाएगा, इसका फैसला मैच रेफरी और भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। आईपीएल की संचालन परिषद इस आधार पर फैसला ले सकती है। रोमी को और भी गहन जांच का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि सूर्यवंशी ने मैच के बाद उन्हें अपना स्थानीय संरक्षक बताया था।

आईपीएल अंकतालिका में तीसरे नंबर पर पहुंची आरसीबी, रॉयल्स शीर्ष पर बरकरार

मुम्बई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में जीत के साथ ही आईपीएल 2026 की अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। इस मैच के साथ ही इस सत्र में आरसीबी ने लगातार अपना तीसरा मैच जीता। अंकतालिका में अभी पहले स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है। रॉयल्स ने अब तक अपने सभी चारों मैच जीतकर 8 अंक हासिल किए हैं। वहीं, पंजाब किंग्स ने 4 में से 3 मैच जीत कर 7 अंक के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया है जबकि आरसीबी 4 में तीन मैच जीतकर 6 अंक के साथ ही तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जायंट्स 4-4 अंक लेकर आगे के स्थानों पर हैं। सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपरकिंग्स ने अभी तक 4-4 मैच में से केवल 1-1 मैच ही जीता है। इन तीनों टीमों के अंक 2 हैं। अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है (केकेआर) है। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है।

अंक तालिका में चौथे पायदान पर दिल्ली कैपिटल्स है। उसने चार मैचों में से दो मैच जीत चुकी है और उसके खाते में 4 अंक हैं। सूची में पांचवें पायदान पर गुजरात टाइटन्स है, जो चार में से दो मैच जीती और दो मैच हारी है। छठे पायदान पर बरकरार लखनऊ सुपर जायंट्स ने चार में से दो मैच जीते हैं। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर कायम टीमों ने कम से कम दो मैच जीते हैं और इतने ही मैच ये हारी हैं।सातवें से 10वें नंबर तक की टीमों ने एक से ज्यादा मुकाबला नहीं जीता है। सातवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद है। वह चार में से तीन मैच हारी है और एक मैच जीती है। आठवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके)की हालत भी यही है। वह भी तीन मैच हारने के बाद चौथा मैच जीती है। सीएसके नौवें नंबर पर है। सबसे अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है जो एक भी मैच नहीं जीती है। तीन मैच हारे हैं और एक मैच बेनतीजा रहा है। इस तरह केकेआर को केवल एक ही अंक मिला है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाया जाना चाहिये : पोलार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम शुरुआत से ही विवादों में रहा है। साल 2023 से लागू होने के बाद से ही कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे ऑलराउंडरों को ही नुकसान हो रहा है। ऐसे में इस नियम को हटा दिया जाना चाहिये। वहीं अब मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने भी कहा है कि इम्पैक्ट प्लेयर का विकल्प ऑलराउंडरों की भूमिका को सीमित कर रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पोलार्ड लंबे समय से आईपीएल का हिस्सा हैं। वह 2010 से अलग-अलग भूमिकाओं में आईपीएल से जुड़े रहे हैं और टीम में ऑलराउडर के तौर पर भी शामिल रहे हैं।

पोलार्ड ने कहा, मैं इस नियम को पसंद नहीं करता हूं पर इसे हटाना मेरे हाथ में नहीं है। इससे केवल ये हो रहा है कि इसने टी20 क्रिकेट में बड़े स्कोर बन रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी इसके पड़ने वाले असर पर अभी तक मैंने ध्यान नहीं दिया है। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होने से केवल तब ही लाभ हो रहा है जब कोई टीम लीग गेम में कुछ विकेट गंवा देती है तो भी उसके पास अधिक रन बनाने का अवसर रहता है। उन्होंने जो लोग इस प्रकार के नियम बना रहे हैं उन्हें यह देखना चाहिये कि क्या यह वास्तव में खेल के लिए अच्छा है, टेलीविजन के लिए अच्छा है, या सिर्फ लोगों के लिए फायदेमंद है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ, कुछ ऐसे कौशल सेट होत हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रयोग नहीं हो रहा है। ऐसें में मेरा मानना है कि उनको इसकी समीक्षा करनी चाहिये। अगर ऐसा नहीं होता हो ये इसी प्रकार जारी रहेगा।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर इस नियम की आलोचना की है। अक्षर पटेल ने सीजन शुरू होने से पहले कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑल-राउंडर हूं। पहले, आप बैटिंग और बॉलिंग के लिए एक ऑलराउंडर चुनते थे। इस नियम की वजह से, टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को रखती है, यह सोचकर कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है?शुभमन गिल भी इसके विरोध में हैं। उनका कना है कि कोई इम्पैक्ट प्लेयर नहीं होना चाहिए। आम तौर पर क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का गेम है। एक अतिरिक्त बल्लेबाज जोड़ने से, मुझे लगता है कि गेम

से कौशल समाप्त हो जाता है। उस एक खिलाड़ी से गेम को और भी वन-डाइमेंशनल बना रहा है। गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने हाल ही में कहा, ÷मुश्किल विकेट पर 180 या 160 रन का पीछा करना मेरे लिए सपाट ट्रैक पर 220 रन का पीछा करने से ज्यादा रोमांचक है।÷ इम्पैक्ट प्लेयर नियम 2023 से लागू है।

रोहित मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

मुम्बई । मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अपनी 19 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है । इसी के साथ ही वह आईपीएल में 6000 रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के पहले बल्लेबाज बने हैं । रोहित ने जैसे ही आरसीबी के खिलाफ अपने 6 रन पूरे किये । उसी के साथ ही उनके 6000 रन परे हो गये । रोहित ने जैकब डफी की गेंद पर छक्का लगाकर ये आंकड़ा हासिल किया । रोहित साल 2011 मुंबई इंडियंस से जुड़े थे । उसके बाद से ही वह इस टीम से खेलते हुए नजर आ रहे हैं । वहीं सूर्यकुमार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं । सूर्यकुमार ने 116 मैचों में 3776 रन बनाए हैं । उनके बाद कीरोन पोलार्ड ने 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस की ओर से 189 आईपीएल मैचों में 3412 रन बनाए हैं । वहीं आईपीएल मे एक ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित से आगे विराट कोहली हैं । कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम के लिए 271 आईपीएल मैचों में कुल 8840 रन बनाए हैं ।

फॉर्मूला वन की 2027 में भारत में वापसी होगी, खेल मंत्री ने कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि 2027 में भारत में फॉर्मूला वन रेस की वापसी होगी । मांडविया ने यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि ग्रेटर नोएडा में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में इस रेस के आयोजन के लिए कम से कम तीन कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है । उन्होंने कहा, 'भारत में 2027 में फॉर्मूला वन रेस होगी । पहली रेस बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की जाएगी ।' भारत इससे पहले फॉर्मूला वन रेस इंडियन ग्रां प्री आयोजित कर चुका है, लेकिन कर और नौकरशाही संबंधी समस्याओं के कारण 2013 में तीसरे संस्करण के बाद इसे फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटा दिया गया था ।

महिला टी20 विश्व कप के लिए रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा, पिछली बार की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने सोमवार को आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए 82 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की । इस विश्व कप का आयोजन दो महीने बाद इंग्लैंड एवं वेल्स में होगा । कुल पुरस्कार राशि में पिछले सत्र की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है । टूर्नामेंट के पिछले सत्र में 10 टीमों ने भाग लिया था, लेकिन 12 जून से 05 जुलाई तक सात स्थानों पर खेले जाने वाले आगामी विश्व कप में 12 टीमें भाग लेंगी । इसका फाइनल लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा । संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित पिछले सत्र की कुल पुरस्कार राशि 7,958,077 डॉलर (लगभग 74 करोड़ रुपए) थी, जो अब बढ़कर 8,764,615 डॉलर (लगभग 82 करोड़ रुपये) हो गई है । विजेता टीम को 23,40,000 डॉलर (लगभग 21.8 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जबकि उपविजेता को 11,70,000 डॉलर (लगभग 10 करोड़ रुपये) प्राप्त होंगे। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 6,75,000 डॉलर (लगभग 6.29 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जबकि प्रत्येक ग्रुप मैच जीतने पर टीमों को 31,154 डॉलर (लगभग 29 लाख रुपये) मिलेंगे। आईसीसी ने यहां विज्ञप्ति में कहा, 'सभी 12 प्रतिभागी टीमों को कम से कम 2,47,500 डॉलर (लगभग 2.06 करोड़ रुपए) का सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा ।' टूर्नामेंट की शुरुआत 12 जून को बर्मिंघम के एडजबेस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मैच से होगी । इस विश्व कप में भाग लेने वाली अन्य टीमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, आयरलैंड, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज हैं । 33 मैचों का यह टूर्नामेंट 24 दिनों तक चलेगा । इस बीच, टी20 विश्व कप ट्रॉफी मेजबान शहरों का दौरा करेगी और लंदन में इसका समापन होगा । स्कॉटलैंड में सात से 10 मई तक इसका पहला पड़ाव होगा । ICC के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, 'महिला क्रिकेट का विकास लगातार तेज हो रहा है । ICC महिला टी20 विश्व कप का 12 टीमों तक विस्तार और रिकॉर्ड पुरस्कार राशि, एक मजबूत और अधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक खेल के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है ।'

आईपीएल2026 : प्रसिद्ध कृष्णा का लखनऊ के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन से पर्पल कैप पर कब्जा

लखनऊ (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजी प्रसिद्ध कृष्णा ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटक कर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया है।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में रविवार को खेले गए इस मुकाबले में प्रसिद्ध कृष्णा चार विकेट लेकर गेंदबाजों की सूची में चार मैचों में कुल 10 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं। इस दौरान प्रसिद्ध ने 28/4 के आंकड़े के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है जबकि उकना इकोनॉमी रेट 9.50 रहा है।

इस सूची में दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स (RR) के रवि बिश्नोई (9 विकेट) तथा चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज अंशुल कंबोज (8 विकेट) तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जैकब डफी हैं, जिनके नाम 6-6 विकेट हैं।

LSG vs RCB

मैच की बात करें तो तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी। रस्ल को 8 विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए और रस्ल 164 रन ही बना पाई।

नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहे : मैनेजर कुका

रियो डी जेनेरो । स्टार फुटबॉलर नेमार आगामी विश्वकप को देखते हुए ब्राजील की टीम में जगह पाने के प्रयासों में लगे हुए हैं । इसी कड़ी में नेमार सैंटोस और एटलेटिको मिनेरो के बीच हुए मैच के दौरान पूरे समय मैदान में बने रहे । इस मैच से वापसी करते हुए नेमार को पूरे समय खेलते देकर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे । वहीं टीम के मैनेजर कुका ने भी नेमार के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इसी प्रकार खेलते रहे तो जून में होने वाले विश्वकप में ब्राजील की टीम में उनकी जगह पक्की हो सकती है । कुका ने कहा, नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहा है, उसे टीम में वापसी के लिए मेहनत करते रहना होगा। उसका खेल लगातार निखर रहा है। । , कुका ने कहा कि वह मंगलवार को रेकोलेटा के साथ सैंटोस के खिलाफ होने वाले घरेलू कोपा अमेरिका मैच में भी खे सकता है । उन्होंने कहा, उसके लिए पूरे 90 मिनट खेलना जोखिम भरा है । हमें उसे खेल का आनंद लेते हुए लय हासिल करते देखना अच्छा लग रहा है । नेमार, जो 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल के साथ ब्राजील की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी पर अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट टूटने के बाद से ही वह ब्राजील से नही खेल पाये हैं । इसके बाद से ही वह लगातार फिटसेस से जुड़ी परेशानियां झेल रहे हैं । पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब में लौटने के बाद से वह सैंटोस के लिए 35 मैच से लगातार उतर रहे हैं । ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के विश्व कप के लिए टीम की घोषणा से पहले उनके पास सैंटोस के लिए अपनी फिटनेस साबित करने के लिए 10 और गेम हैं । ब्राजील की टीम विश्वप में अपना अभियान 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी ।

तेज गेंदबाज अशोक ने अपनी रफ्तार से प्रभावित किया

चंडीगढ़ । आईपीएल के इस सत्र में गुजरात टाइटंस टीम से खेल रहे युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने अपनी गेंदबाज से सभी को प्रभावित किया है । अशोक ने इस सत्र की शुरुआत पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से की थी । अशोक ने अपने पहले ही मैच में 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा है । शोक ने इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था । उसी के कारण उन्हें आईपीएल के लिए गुजरात ने शामिल किया है । इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा । वह कए साधारण परिवार से आये हैं । उन्होंने नेट गेंदबाज के तौर पर राजस्थान रॉयल्स के लिए काम किया है । इसके बाद उन्हें आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 55 लाख रुपए में खरीदा था पर उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिल सका । इसके बाद गुजरात टाइटंस ने उन्हें 90 लाख रुपए में शामिल किया । अशोक ने फर्स्ट क्लास करियर में 4 मैच खेले हैं, जिसमें 29.71 की औसत के साथ 14 विकेट हासिल किए । वहीं, 7 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 13 विकेट हैं । अशोक ने अपने टी20 करियर में 10 मैच खेले हैं, जिसमें 15.63 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं ।

2027 एकदिवसीय विश्वकप में मिलर सहित कई अनुभवी खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका की टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप में डेविड मिलर, रासी वैन डेर डुसेन सहित कई स्टार खिलाड़ियों के बिना ही खेलती दिखेगी । इसका कारण है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने साल 2026-27 सत्र के लिए मिलर सहित कई खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया है । वहीं युवा खिलाड़ियों को पहली बार शामिल किया गया है । मिलर को केन्द्रीय अनुबंध के अलावा हाइब्रिड करार भी नहीं दिया गया है । इससे उनके अंतराराष्ट्रीय करियर पर सवाल उठने लगे हैं । मिलर ने कुछ समय पहले कहा था कि वह 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं पर अब उनकी ये इच्छा अधूरी ही रह जाएगी । मिलर के अलावा रासी वैन डेर डुसेन को हाइब्रिड करार नहीं मिला । वहीं बल्लेबाज रीजा हैननिक और तेज गेंदबाज नांद्रे बरगर भी करार में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं । इस बार दक्षिय अफ्रीका बोर्ड ने नये खिलाड़ियों को अधिक अवसर दिया है । इस बार सीएसके ने युवा खिलाड़ियों डेवाल्ड ब्रैविस, कोर्बिन बास , आंटेरिन बार्टमैच जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए अनुबंध यसूची में शामिल किया है । इसके अलावा ऑफ स्पिनर सिमोन हार्मर को भी पहली बार करार मिला है । इस बार उन घरेलू खिलाड़ियों को भी अवसर दिया गया है । जो भविष्य में इंटरनेशनल क्रिकेट खेल सकते हैं । चयन संयोजक पैट्रिक मोरोनी ने कहा, आगे का सत्र काफी व्यस्त और अहम होने वाला है, इसलिए टीम में अनुभवी के साथ ही नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है । उन्होंने आगे कहा, 2027 एकदिवसीय विश्वप कप को ध्यान में रखते हुए हमने ऐसे खिलाड़ियों को चुना है, जिनमें बड़े टूर्नामेंट जीतने की क्षमता और सही मानसिकता है । उसकी अनुबंध सूची में टेम्बा बावुमा, एडेन मार्करम, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और काइल वेरेयन जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं ।

विराट और रोहित चोटिल हुए, अगले मैच में खेलने को लेकर उठे सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में टखने में चोट लग गयी है। जिससे कारण उनके आईपीएल के अगले मैच में खेलने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इससे आरसीबी को झटका लगा है। वहीं मुम्बई के भी पूर्व कप्तान मुम्बई रोहित शर्मा इसी मैच में चोटिल हो गये। इससे मुम्बई की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विराट की फिटनेस को लेकर आशंकाएं इसलिए भी बढ़ गयी हैं क्योंकि वह मुम्बई की बल्लेबाजी के दौरान मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि इस मैच में आरसीबी की टीम जीत गयी। मैच के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार और ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा कि कोहली के शीघ्र ठीक होने की उम्मीद है। पाटीदार ने कहा, 'मुझे अभी नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि वह अभी ठीक हैं।'

वहीं क्रुणाल ने कहा, 'मैंने अभी फिजियो से बात नहीं की है पर मुझे लगता है कि वह ठीक हो जाएंगे, चिंता की कोई बात नहीं है।' इस मैच में विराट ने हालांकि बल्लेबाज के दौरान फिल सॉल्ट के साथ 120 रनों की शुरुआती साझेदारी की थी। विराट ने 38 गेंद में ही अर्धशतक लगा दिया था। वहीं इस मैच में मुम्बई के सलामी बल्लेबाज रोहित भी चोटिल हो गये हैं। इसी कारण ही रोहित को पांचवें ओवर के बाद मेडिकल हेल्प लेनी पड़ी। हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण रोहित छठे ओवर की दूसरी गेंद के बाद मैदान से बाहर चले गए। उन्होंने 13 गेंद में 19 रन बनाए और वह वापस मैदान में उतर नहीं पाये। आरसीबी का अगला मैच 15 अप्रैल को जबकि मुंबई इंडियंस का 16 अप्रैल को होना है ऐसे में विराट और रोहित दोनों को अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कुछ दिन का समय मिलेगा।